

दैनिक

मीडियाऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की देशभर में धूम: मथुरा-द्वारका में मंगला आरती

मथुरा/द्वारका/पुरी/नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव है। मथुरा-वृंदावन से लेकर जगन्नाथ पुरी और द्वारका में जन्माष्टमी की धूम है। मथुरा में जन्मभूमि, द्वारका में द्वारकाधोश मंदिर, दिल्ली के इस्कॉन मंदिर और जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में मंगला आरती हुई। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में गुरुवार रात से ही श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जन्मोत्सव के लिए मथुरा-वृंदावन समेत ब्रज मंडल में करीब 75 लाख श्रद्धालु पहुंचे। इधर, जन्माष्टमी पर ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में एक खास रस्म के लिए मुख्य मंदिर 5 घंटे तक बंद रहा। इस रस्म में भगवान मां का रूप धारण करके श्री कृष्ण को जन्म दिया। जन्माष्टमी से ठीक पहले शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर से मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्री लड्डू गोपाल के लिए खास उपहार भेजे गए। यह परंपरा 2024 में शुरू हुई थी।

एअर इंडिया फुकेट-दिल्ली फ्लाइट का पायलट नशे में था

एएआईबी की जांच में पुष्टि, टर्बुलेंस से कई लोग हुए थे घायल



नई दिल्ली , एजेंसी।एएआईबी की जांच में एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के पायलट के नशे में होने की पुष्टि हुई है। 4 अगस्त की घटना में इस उड़ान में टर्बुलेंस हुआ था, जिसमें एक झटके में विमान 300 फीट नीचे आ गया था। इस घटना में कई यात्री घायल हुए थे। एएआईबी ने एक बयान में कहा है कि विमान का कमांडिंग पायलट साइकोएक्टिव पदार्थ परीक्षण में नॉन निगेटिव पाया गया है। डीजीसीए ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की बात कही है। एएआईबी ने कहा है कि कमांडिंग पायलट की नशे में होने की पुष्टि गंभीर चिंता का विषय है। साथ ही उन्होंने कहा कि तकनीकी और अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच जारी है।

एएआईबी ने डीजीसीए से की कार्रवाई की सिफारिश-एएआईबी ने अपनी अंतरिम सुरक्षा सिफारिश में कहा, उड़ान दल के एक सदस्य में साइकोएक्टिव पदार्थ की जांच का परिणाम नॉन-नेगेटिव पाए जाने के मद्देनजर, यह सिफारिश की जाती है कि डीजीसीए साइकोएक्टिव पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उचित समझी जाने वाली कार्रवाई करे।

घटना के चलते कई यात्री हुए थे घायल-4 अगस्त को फुकेट से दिल्ली आ रही

भारत लाया जाएगा भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी

बेल्जियम ने सरकार के साथ बैठक में दिए पॉजिटिव संकेत

नई दिल्ली,एजेंसी।भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को भारत लाने के लिए सरकार की कोशिशें लगातार जारी हैं। बेल्जियम के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया। भारत-बेल्जियम की उच्च-स्तरीय बातचीत के दौरान सामने आया है कि मेहुल चोकसी को भारत भेजने के मुद्दे पर बेल्जियम ने सकारात्मक रुख दिखाया है। मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी कर रही सरकार एनडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों से पता चला है कि भारत ने बेल्जियम के साथ बातचीत में दोहराया कि मेहुल चोकसी की वापसी और उस पर मुकदमा चलाना एक बड़ी प्राथमिकता है। चोकसी को न्याय के कटघरे में लाना बिल्कुल भी आसान नहीं रहा है।

पीएम मोदी ने मेलोनी को बधाई दी

सबसे लंबे समय तक इटली की प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड, लगातार 1413 दिन से सत्ता में

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर बधाई दी है। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में मेलोनी को अपनी मित्र बताते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि इटली के लोगों के उनके नेतृत्व पर भरोसे और विश्वास को दिखाती है। उन्होंने कहा कि मेलोनी की दोस्ती भारत और इटली के बीच विशेष राजनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में भी अहम रही है। मोदी ने दोनों देशों के लोगों के बेहतर भविष्य के लिए आगे भी मिलकर काम करने की उम्मीद जताई।

प्रधानमंत्री ने मेलोनी को आने वाले वर्षों में सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

मेलोनी के लगातार सत्ता में 1,413 दिन पूरे-जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने शुक्रवार को लगातार 1,413 दिन सत्ता में रहकर इटली में नया रिकॉर्ड बनाया। 1946 में इटली गणराज्य बनने के बाद यह किसी एक कैबिनेट का सबसे लंबा लगातार कार्यकाल है।

मेलोनी ने पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी की दूसरी सरकार का रिकॉर्ड तोड़ा है। बर्लुस्कोनी की दूसरी कैबिनेट 2001 से 2005 तक 1,412 दिन सत्ता में रही थी। मेलोनी 22 अक्टूबर 2022 को इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। वे दक्षिणपंथी पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' की प्रमुख भी हैं।

● **मेलोनी की पार्टी जश्न मनाएगी**- मेलोनी ने अपनी सरकार के लंबे कार्यकाल को बड़ी कामयाबी के तौर पर पेश किया है। उनकी पार्टी शुक्रवार शाम दक्षिणी शहर बारी में रैली करने वाली है। मेलोनी भी इस रैली में भाषण देंगी। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि मेलोनी सरकार ने लंबे समय तक सत्ता में रहने को ही अपनी उपलब्धि बना लिया है। मोदी ने मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी दी थी मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के दौर पर गए थे। इस दौरान उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट गिफ्ट किया था। मेलोनी ने बाद में इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और मोदी को गिफ्ट के लिए धन्यवाद दिया था।

● **इटली में सरकारें औसतन 13 महीने ही चली हैं**-इटली में पिछले कई दशकों से सरकारों के बार-बार बदलने और राजनीतिक अस्थिरता का इतिहास रहा है। 180 साल पहले गणराज्य बनने के बाद से देश में 68 सरकारें बन चुकी हैं। इन सरकारों का औसत कार्यकाल करीब 13 महीने रहा है। ऐसे में मेलोनी की तीन दक्षिणपंथी और कंज़रवेटिव पार्टियों वाली गठबंधन सरकार का करीब 4 साल तक टिकना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सुनेत्रा बोलीं- अजित पवार की मौत पर राजनीति न करें

● मेरा दर्द कोई नहीं समझ सकता, सुले ने कहा था- मेरा भाई चला गया कुछ सत्ता भोग रहे



पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र की डिप्टी CM और एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार ने विपक्षी नेताओं से उनके पति अजित पवार की मौत पर राजनीति नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अजित पवार की मां, बच्चों और उनके दुख को कोई और नहीं समझ सकता। सुनेत्रा पवार ने गुरुवार को पुणे में कहा कि अजित दादा के जाने से महाराष्ट्र में पैदा हुआ खालीपन बहुत बड़ा है।

सुनेत्रा बोलीं- जांव एजेंसियों पर पूरा भरोसा

सुनेत्रा पवार ने कहा कि उन्हें कानून और संविधान पर भरोसा है। जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं और उन्हें समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, लगातार मीडिया के सामने आने का मतलब यह नहीं है कि जांच में कोई अपडेट मिल रहा है। यह संदेह है कि बार-बार मीडिया ट्रायल तो नहीं किया जा रहा। सुप्रिया सुले ने एनसीपी पर सत्ता भोगने के आरोप लगाए थे। सुप्रिया सुले ने बुधवार को पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मेरे भाई यानी मेरे कजिन अजित पवार की मौत को लेकर F.I.R दर्ज क्यों नहीं की गई हमने अपने परिवार के एक प्रमुख सदस्य को खोया है।

मोदी कैबिनेट में शामिल होंगे देवेंद्र फडणवीस

भाजपा की मंत्री का बड़ा बयान

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लेकर पिछले कई दिनों से कयास लगाए जा रहे हैं कि वे अब केंद्र की राजनीति में आ सकते हैं। हालांकि इसको लेकर ना तो फडणवीस और ना ही भाजपा की शीर्ष लीडरशिप की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। इस बीच महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और ब्रह्मकुनेता पंकजा मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि फडणवीस इस समय महाराष्ट्र में जहां हैं, वहीं उनकी जरूरत है।

ने फडणवीस की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली और अकादमिक रूप से मजबूत नेता हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले करीब डेढ़ दशक से फडणवीस के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ प्रार्थना कर सकती हूं कि वह वर्तमान पद से आगे बढ़ें। हालांकि, अभी उन्हें वहीं

जरूरत है, जहां वह हैं। पंकजा का यह बयान शिवसेना सांसद संजय राज के उस हालिया दावे के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी फडणवीस को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करना चाहते हैं। क्या दावा कर बैठें संजय राज संजय राज ने दावा किया था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश की राजनीति में एक बड़े बदलाव को पुरजोर समर्थन कर रहा है, जिसके तहत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को राष्ट्रीय राजधानी बुलाकर उन्हें उप-प्रधानमंत्री का पद सौंपने की कोशिश की जा रही है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो प्लेन पोल से टकराया

पार्किंग में ले जाते वक्त खंभे में घुसा, आगे का हिस्सा टूटा; सभी यात्री सुरक्षित



श्रीनगर, एजेंसी। श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो का विमान 6 बं 225 पार्किंग के दौरान खंभे से टकरा गया। फ्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। घटना करीब सुबह 9 बजे बे नंबर-6 पर विमान को पार्क करते समय हुई। विमान में सवार सभी 200 यात्री और कर्मचारी सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद यात्रियों और कर्मचारी के मौनअल एयरक्राफ्ट सीडियों की मदद से विमान से सुरक्षित उतारा गया। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल

वह विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम का हिस्सा है। यह सिस्टम विमान को पार्किंग बे में सही जगह लाने और सुरक्षित तरीके से पार्क कराने में मदद करता है।

चीनी के एक्स-मिल भाव 20 प्रतिशत टूटे, दशहरा, दिवाली तक और सस्ती होगी

नई दिल्ली , एजेंसी। चीनी की बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर है। आने वाले त्योहारों गणेश चतुर्दशी, नवरात्रि, दशहरा, दिवाली और छठ तक चीनी के दाम और गिरने की उम्मीद बढ़ गई है। डिपॉर्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन ने एक्स पर पोस्ट करके चीनी के सस्ता होने की जानकारी दी है। झू पर की गई पोस्ट के मुताबिक देश के खुदरा बाजार में चीनी के दाम करीब 5 न तक कम हो गए हैं। इससे पहले चीनी की एक्स-मिल कीमतों में करीब 20 न की बड़ी गिरावट आई है। अगर चीनीमंडी के आंकड़ों की बात करें तो गुरुवार शाम को अपडेट किए गए रेट के मुताबिक चीनी के दाम 61 रुपये किलो तक आ गए हैं। दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, रांची में 3 सितंबर को चीनी 61 रुपये में बिकी। गुवाहटी, कानपुर और रायपुर में 62 रुपये किलो थी और चेन्नई में 63 रुपये।

● **कब तक एक्स-चीनी मिल रेट का दिखेगा असर**

सरकार का कहना है कि एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर अब धीरे-धीरे खुदरा बाजार में दिखाई देने लगा है और आने वाले दिनों में चीनी के दाम और नरम पड़ सकते हैं। सरकार के मुताबिक एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए आने वाले दिनों में इसका प्रभाव और ज्यादा दिखाई दे सकता है।

हम गलतियों से सीखते हैं, ईरान में शादी समारोह के दौरान अमेरिकी हमले में 5 लोगों की मौत पर बोले जेडी वेंस

वाशिंगटन,एजेंसी। दक्षिण ईरान के कुशेतक में एक शादी समारोह के दौरान अमेरिकी मिसाइल हमले में तीन महिलाओं और दो बच्चों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स और हथियार विशेषज्ञों के दावों के मुताबिक, समारोह पर अमेरिकी गोला-बारूद से सीधा निशाना साधा गया था। हालांकि, अमेरिकी सेना ने नागरिकों को निशाना बनाने के आरोपों से इनकार किया है। वहीं, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जांच की बात कहते हुए कहा कि अमेरिकी अपनी सैन्य गलतियों से सीखता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, बीते मंगलवार को दक्षिणी ईरान में एक शादी

हमले से हुआ है, न कि किसी दूसरे लक्ष्य से टकराकर आई मिसाइल या मलबे के कारण। ईरानी मीडिया ने भी यही दावा किया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसे शादी में हुए घातक विस्फोट के बारे में ईरानी रिपोर्टों की जानकारी है, लेकिन अमेरिका कभी भी नागरिकों को निशाना नहीं बनाता। इस हमले को लेकर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान में एक शादी समारोह पर हुए उस हमले की जांच कर रहा है, जिसमें तीन महिलाओं और दो बच्चों की जान चली गई। उन्होंने कहा, हम इस घटना की जांच कर रहे हैं क्योंकि जाहिर तौर पर हम इसे लेकर चिंतित हैं और सच जानना चाहते हैं।

है, लेकिन रॉयटर्स ने अपने हथियार विशेषज्ञों के विश्लेषण का हवाला देते हुए अमेरिका की भूमिका का आरोप लगाया है। **क्या बोले विशेषज्ञ**-रॉयटर्स ने घटना की तस्वीरों और वीडियो को चार सैन्य हथियार विशेषज्ञों को दिखाया। उनका विश्लेषण कहता है कि यह नुकसान सीधे

...मेरी हत्या हो सकती थी, जंतर-मंतर पर हमले के आरोपों पर स्वतंत्र भारद्वाज ने दी सफाई

नई दिल्ली/ बुलंदशहर,एजेंसी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता पर हमले और सोशल मीडिया इम्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज के कथित कबूलनामे ने सियासी और कानूनी हलचलों को तेज कर दिया है। एक हालिया पॉडकास्ट में स्वतंत्र भारद्वाज ने हमले का दावा करने और राजनीतिक रसूख के दम पर जेल न जाने की बात कही, जिसका वीडियो सोशल मीडिया

या मेरी हत्या हो सकती थी। मेरे पास वीडियो सबूत हैं। मुझे 10-15 लोगों ने घेर लिया था। जब मैंने आत्मरक्षा में कदम उठाया, तो उनके फिर पर चोट लग गई। दिल्ली पुलिस की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, निशु के पिता को कोई गंभीर चोट नहीं आई थी। अभी भी जांच चल रही है और मैं पूरा सहयोग कर रहा हूँ। राहुल गांधी और अन्य लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा पॉडकास्ट क्लिप नकली है।

गांवों के विकास पर ध्यान नहीं देने से बढ़ रहा है शहरों पर बोझ, पलायन गंभीर चुनौती

नई दिल्ली। गांवों से शहरों में हो रहा पलायन गंभीर चुनौती है। इससे शहरों में अनियोजित निर्माण और झुग्गी बस्तियां बसती जा रही हैं। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) द्वारा आयोजित एकीकृत ग्रामीण व शहरी विकास विषय पर आयोजित वेबिनार में भी विशेषज्ञों ने इस समस्या पर चर्चा की। उनका कहना था कि गांवों में रोजगार व मूलभूत सुविधाओं के अभाव के

आवश्यकता है, जिससे अधिक रोजगार सृजन हो सके। गांवों के विकास के लिए आवंटित बजट के सदुपयोग के लिए वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना होगा। शोधार्थियों ने कहा कि ग्राम सभाओं और शहरी निकायों की व्यापक आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजना तैयार करनी होगी। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और मनोरंजन जैसी मूलभूत

सतना

05 सितम्बर 2026

शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

संक्षिप्त समाचार

जेवर के किसानों को यमुना एक्सप्रेसवे पर मिलेगी टोल फ्री एंट्री

14 साल का इंतजार कुछ शर्तों पर खत्म



ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के निर्माण और संचालन के बाद से टोल में छूट की मांग करते आ रहे जेवर क्षेत्र के किसानों का इंतजार समाप्त होने जा रहा है। एक्सप्रेसवे पर उनके वाहन हिमाचल टोल दिए गुजर सकेगें। लेकिन इस सुविधा का फायदा लेने के लिए उन्हें 17 सितंबर तक जरूरी दस्तावेज एक्सप्रेसवे का संचालन कर रही कंपनी को देने होंगे। जेवर विधायक का कहना है कि यमुना प्राधिकरण, यमुना एक्सप्रेसवे का संचालन करने वाली सुस्था समूह की कंपनी के अधिकारियों के साथ कई दौर की वार्ता हुई। इसके बाद यह निर्णय हुआ है कि जेवर क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे से प्रभावित आसपास के ग्रामीणों को जेवर टोल प्लाजा पर टोल शुल्क से छूट दी मिलेगी। इस छूट का लाभ लेने के लिए निवासियों को अपने स्थानीय निवासी होने का प्रमाण,आधार कार्ड, वाहन की आरसी की प्रति लेकर 17 सितंबर तक जेवर टोल प्लाजा कार्यालय में जमा कराकर अपने वाहन का पंजीकरण कराना होगा। सत्यापन एवं पंजीकरण पूर्ण होने के बाद टोल शुल्क की सुविधा मिलेगी। क्षेत्रवासी 14 वर्षों से इस सुविधा की मांग कर रहे थे।

कुता टहला रहे युवक से आईफोन-16 लूटकर भागे बदमाश

तलाश में जुटी गाजियाबाद पुलिस



गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के राजनगर में बाइक सवार दो बदमाश युवक का आईफोन लूटकर फरार हो गए। घटना 31 अगस्त की बताई गई है। पीड़ित की शिकायत पर कानिनागर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना उस समय हुई जब युवक अपने कुत्ते को घुमाने के बाद घर लौट रहा था। राजनगर निवासी ऋषभ अरोड़ा के मुताबिक, 31 अगस्त को सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह अपने कुत्ते के साथ सेक्टर-9 की ओर टहलने गए थे। वहां से वापस घर लौटते समय सेक्टर-9 चौगहे के पास बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। दोनों स्लेंडर बाइक पर सवार थे। बाइक सवारों ने मौका पाकर उनका मोबाइल फोन छीन लिया और तेजी से फरार हो गए।

पुलिस से शिकायत की: पीड़ित ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन उसका कुता साथ होने के कारण वह उन्हें पकड़ नहीं सका। पीड़ित के मुताबिक, बदमाश जिस फोन को ले गए वह आईफोन-16 प्रो था। उसमें दो ई-सिम लगी थीं। घटना के बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। शिकायत के आधार पर कानिनागर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के रास्तों और चौगहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इससे कुछ ही दिन पहले आरक्षी में सैर कर रही बुजुर्ग महिला से बदमाश चैन छीनकर फरार हो गया था।

पाकिस्तान में मवा हड़कप, लेना छई अलर्ट पर भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से
पाकिस्तान में घबरहाट

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबरराटा का माहौल है। इस्लामाबाद ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया है। बता दें कि भारत ने 21 सितंबर से 7 अक्टूबर तक के लिए राजस्थान क्षेत्र के पाकिस्तान बॉर्डर पर एयरस्पेस रिजर्व करने के लिए नोटिस टू एयर मिशनस जारी किया है। जहां सेना का अभ्यास होगा। वहीं इस बीच भारत के नोटेमजारी करते ही इस्लामाबाद में सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जा रही है। इस बीच पाकिस्तान ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और किसी भी संभावित खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद यह आकलन पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के ऑफिस को सौंपा गया। भारतीय वायु सेना द्वारा तय एयरस्पेस एक्टिविटी की तैयारी के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने भी भारत-पाकिस्तान सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत का नोटेमदो हफ्ते से ज्यादा समय के लिए है और इसने पाकिस्तान के सिक्कीरिटी सिस्टम को प्लानड एक्टिविटी की बारीकी से जांच करने के लिए प्रेरित किया है। , सुरक्षा से जुड़े एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा अधिकारी इस नोटिफिकेशन को फौरन आकलन की जरूरत वाले मामले के तौर पर देख रहे हैं।

दिल्ली-यूपी और बिहार समेत 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

● तूफानी हवाएं मचाएंगी कोहराम

लखनऊ, पटना, उत्तराखंड, एजेंसी। देशभर में मानसून एक बार फिर अपने उग्र रूप में लौट आया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार और राजधानी दिल्ली समेत देश के लगभग 20 राज्यों में मूसलाधार बारिश और भयंकर आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है। लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका है। इसके साथ ही, पहाड़ी इलाकों में सफर करने वालों के लिए भूस्खलन और पूर्वी राज्यों में बिजली गिरने की गंभीर चेतावनी दी गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मध्य प्रदेश के पूर्वोत्तर हिस्से और उसके आसपास के इलाकों में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इस मौसमी सिस्टम की वजह से मध्य प्रदेश और पश्चिमी हिमालय के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसी मौसमी गतिविधि के



कारण देशभर का मौसम अचानक से इतना अस्थिर हो गया है।

मैदानी इलाकों का हाल: दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली में आज मौसम काफी सर्द और तूफानी रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और झमाझम बारिश होने की संभावना है। आज अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। उत्तर प्रदेश: वहीं, उत्तर प्रदेश के मौसम में भी भारी उथल-पुथल देखने

को मिलेगी। मेरठ, नोएडा, आगरा, मथुरा, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी सहित कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आंधी चलने का अनुमान है। राजधानी लखनऊ में आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। बिहार: प्रदेशवासियों को भी आज खराब मौसम का सामना करना पड़ेगा। पटना, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर समेत कई जिलों में मूसलाधार बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

95 रास्ते बंद, 1235 करोड़ का नुकसान हिमाचल में मानसून ने बरपाया कहर



तीन जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की वर्षा का दौर लगातार जारी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

40 किलो एक्सपायर्ड मिर्च, एक साथ तेज-नॉनवेज खाना बेंगलुरु में तलब की रसोई सील

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यू.टी. खादर के निर्देशों पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सहकारनगर स्थित चेयरमैन क्लब में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रसोई में एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थ, मिसब्रांडेड सामान और तेज-नॉनवेज भोजन का एक साथ रसोई जैसी गंभीर कमियां व अस्वच्छता पाई गई। विभाग ने स्वच्छता और सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने के

बाद खाद्य पदार्थों को जब्त कर लिया गया और रसोई को तुरंत प्रभाव से बंद करते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल, यह यह निरीक्षण 3 सितंबर को विभाग के खाद्य सुरक्षा विंग द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित लाइसेंसिंग और पंजीकरण नियमों के प्रावधानों के तहत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यू.टी. खादर के निर्देशों के बाद किया गया था।

डिलीवरी के ऑपरेशन में नहीं मिला बच्चा, सच्चाई जानकर सब रह गए हैरान

कराची , एजेंसी।पाकिस्तान के कराची के एक अस्पताल में गर्भावस्था से जुड़ हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 9 महीने की गर्भवती महिला की डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान उसके पेट में बच्चा ही नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला की करीब 38 हफ्ते की प्रेग्नेंसी बताई गई थी। मामला सामने आने के बाद परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।हालांकि, इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर डिलीवरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर किन

जांचों और क्लिनिकल चेकअप के जरिए यह पुष्टि करते हैं कि महिला वास्तव में गर्भवती है और गर्भ में बच्चा सुरक्षित है।रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अपनी प्रेग्नेंसी की फजी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट तैयार करवाई थी। जांच में यह भी पता चला कि महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी। बताया गया कि परिवार की ओर से उस पर बच्चा कंसीव करने का दबाव था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर यह फजी रिपोर्ट बनवाई।डिलीवरी से पहले कौन-कौन सी जांच जरूरी होग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रसूति एवं स्त्री

रोग विभाग की डायरेक्टर डॉ. नूपुर गुप्ता के मुताबिक, जब कोई महिला डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंचती है तो डॉक्टर सबसे पहले उसकी पिछली मेडिकल रिपोर्ट और अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखते हैं। डॉक्टर यह पता करते हैं कि गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, गर्भ में बच्चे की स्थिति क्या है और बच्चे की हार्टबीट कैसी है। अगर पुरानी मेडिकल रिपोर्ट उल्लब्ध नहीं है या बच्चे की स्थिति को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो महिला की स्थिति के अनुसार जरूरी जांच कराई जाती है। जरूरत पड़ने पर डिलीवरी से पहले उसी समय अल्ट्रासाउंड भी किया जा

सकता है। खासकर तब, जब डॉक्टर को बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई चिंता हो।सिर्फ पुराने अल्ट्रासाउंड के आधार पर ऑपरेशन कितना सही पाकिस्तान के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी, तो केवल पुरानी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर उसका ऑपरेशन कैसे कर दिया गया। डॉ. नूपुर गुप्ता के अनुसार, गर्भावस्था के आखिरी महीनों में बच्चे की स्थिति और उसकी सेहत का आकलन करने के लिए सिर्फ एक पुराना अल्ट्रासाउंड पर्याप्त नहीं माना जाता।

पाकिस्तान में सच बोलने पर सिख पत्रकार का करियर तबाह, एंकर हरमीत सिंह को बेबाक कवरेज की मिल रही सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिख पत्रकार और टीवी एंकर हरमीत सिंह ने दावा किया है कि स्वतंत्र और बेबाक पत्रकारिता के कारण उन्हें लगातार निशाना बनाया गया। उनका आरोप है कि पहले उन्हें टीवी स्क्रीन से हटाया गया और बाद में राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अलग-अलग चैनलों पर आने से भी रोक दिया गया। हरमीत ने अपने छोटे मीडिया कार्यालय पर पुलिस कार्रवाई और उपकरण जब्त किए जाने का भी दावा किया है। हरमीत सिंह के मुताबिक, वह पाकिस्तान के सिख समुदाय से मुख्यधारा के मीडिया में पहुंचने वाले शुरुआती पत्रकारों में से एक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि एक हाशिये पर रहने वाले समुदाय से निकलकर मुख्यधारा की पत्रकारिता तक पहुंचना आसान नहीं था। उनके समुदाय के कुछ लोग उनसे यह सवाल भी करते थे कि वह पत्रकारिता में क्यों बने हुए हैं, कोई दूसरा पेशा या कारोबार क्यों नहीं



करते। हरमीत ने दावा किया कि पेरशानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इसाफ की कवरेज के बाद शुरू हुई। उनके अनुसार, नवंबर 2024 में उनकी कवरेज के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें इस्लामाबाद में खट्टक और पेशावर में शुरू की गई जांच भी शामिल है। उनके अनुसार, मामला अदालत में विचारधीन है। हरमीत ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके छोटे मीडिया कार्यालय पर छापा मारा और वहां से कंप्यूटर, कैमरे, माइक्रोफोन और

अन्य उपकरण जब्त कर लिए। हरमीत सिंह ने अपने ऊपर लगे किसी भी देश-विरोधी या प्रचार से जुड़े आरोप को खारिज किया। उनका कहना है कि उनकी पत्रकारिता का फोकस लोकतंत्र, संविधान की सर्वोच्चता और आम नागरिकों की समस्याओं पर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका नजरिया दूसरों से अलग हो सकता है और शायद यही उनके लिए समस्या बन गया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी पाकिस्तान के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपने देश के खिलाफ किसी तरह के प्रचार में हिस्सा लिया। सिख बुद्धिजीवी अवतार सिंह ने इस मामले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी सिख पत्रकार के कार्यालय पर कथित तौर पर छापा मारना और स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने के कारण कार्रवाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने दुनिया भर के सिख समुदाय से पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यक

सिख समुदाय में भरोसा कायम करने के लिए इस मामले की निंदा करने की अपील की। अवतार सिंह ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी से भी आग्रह किया था उड़ा और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ राजनयिक माध्यमों से इस मुद्दे पर बातचीत की मांग की।उन्होंने अकाल तख्त के जयेंदाar ज्ञानी कुलदीप सिंह गर्गज से भी दुनिया भर के सिखों से पाकिस्तान के सिख समुदाय के साथ एकजुटता दिखाने की अपील करने का आग्रह किया। हरमीत सिंह का कहना है कि उनकी पत्रकारिता किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक अधिकारों और आम लोगों की समस्याओं को सामने रखने पर केंद्रित रही है। उनका दावा है कि बेबाक और स्वतंत्र तरीके से सवाल उठाने की वजह से उन्हें निशाना बनाया गया।

चीन को सुपर डैम प्रोजेक्ट को रीडिजाइन करने की सलाह, ड्रेगन को अपनों ने ही आईना दिखाया

बीजिंग, एजेंसेसी। नेपाल में आई त्रासदी के बाद चीन को ब्रह्मपुत्र नदी पर बन रहे दुनिया के सबसे बड़े डैम पर अपने ही विशेषज्ञों से अहम सलाह मिली है। चीनी विशेषज्ञों के मुताबिक डैम के प्रमुख हिस्सों को रीडिजाइन करने की जरूरत है। चीन की सरकारी पत्रिका सेडिमेंट्री जियोलॉजी एंड टेथियन जियोलॉजी के हाल के लेख के अनुसार भूवैज्ञानिकों का निष्कर्ष है कि यहां के भूभाग की संरचना ढीली और जुड़ाव कमजोर है। **मजबूत दीवारें और प्रमुख तत्वों को फिर से डिजाइन करने की सिफारिश:** भू-भाग की हलचल या भूकंप से बड़े पैमाने पर अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। लेखकों ने बांध की सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने व आपदा के जोखिम को कम करने के लिए जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, पानी के तेज बहाव, मिट्टी या पथरों को रोकने के लिए मजबूत दीवारें और प्रमुख तत्वों को फिर से डिजाइन करने की सिफारिश की है। **तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाया जा रहा विशाल बांध:** तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी (यारलुंग सांगपो) पर चीन द्वारा बनाए जा रहे 60,000 मेगावाट क्षमता वाले मेदोग सुपर डैम को लेकर भूवैज्ञानिकों और रणनीतिक विशेषज्ञों ने भारत की सुरक्षा, खेती और आबादी के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। 167 अरब डॉलर की लागत से यह बांध बनाया जा रहा है। **अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ध्यान देने की जरूरत : चेलानी:** भारत के अग्रणी भू-रणनीतिक विशेषज्ञ डॉ. ब्रह्मा चेलानी प्रोजेक्ट सिंडिकेट और द ग्लोब एंड मेल के हालिया लेखों में कहा है ।



स्थगित हो गए थे। जबकि इससे का गठन नहीं हो सका था। पूर्व स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से इन समितियों का गठन नहीं हो सका था। बृहस्पतिवार को अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति का

चुनाव तीन बजे तय था जिसमें भाजपा पार्षद और अधिकारी तय समय पहुंच गए थे। चुनाव की प्रक्रिया ठीक तीन बजे शुरू कर दी गई चूंकि निर्बिरोध निर्वाचन होना था तो पीठासीन अधिकारी तीन मिनट के भीतर ही चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन को निर्वाचित घोषित कर दिया। इसके बाद बैठक स्थगित कर दी गई तब ही आप पार्षद बैठक में पहुंचे और चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे।

अपने दफ्तर आप पार्षदों की तोड़-फोड़ की महापौर ने की निंदा

अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति के चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए आप पार्षदों ने निगम मुख्यालय में प्रदर्शन किया ।इस दौरान प्रदर्शन करते -करते आप पार्षद महापौर के दफ्तर में चले गए । सुरक्षा के मद्देनजर जब सुरक्षा कर्मियों ने गेट बंद किए तो पार्षद गेट तोड़ते हुए महापौर के दफ्तर में घुस गए । इस दौरान आप पार्षदों ने महापौर को धेरकर नारेबाजी की । इस पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने के बाद आप पार्षदों ने महापौर कार्यालय में दरवाजों और कुर्सियों को नुकसान पहुंचाया तथा वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की । महापौर ने कहा कि उन्होंने स्वयं लोकतांत्रिक भावना का परिचय देते हुए आप आदमी पार्टी के पार्षदों की बात सुनने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ थी अभद्र व्यवहार किया गया । वहीं, महिला उप महापौर के सामने आप पार्षदों ने कपड़े उतारने का प्रयास करना निंदनीय है । एमसीडी ने अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण समिति में अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाने के उद्देश्य से समिति में दलित सदस्यों की संख्या 35 से घटाकर मात्र 21 कर दी । भाजपा के इस कदम के विरोध में आप ने अनुसूचित जाति समाज के प्रतिनिधित्व को कम करने की कोशिश के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की । उन्होंने कहा कि सदस्यों की संख्या कम करने के खिलाफ उन्होंने एमसीडी को पत्र भी लिखा था और इस चुनाव को टालने का आग्रह किया था ।

सरकारी क्वार्टर में चल रहा था निजी डायग्नोस्टिक सेंटर, एसडीएम ने किया सील

देवसर सीएचसी परिसर में कार्रवाई, संचालक से तीन दिन में अनुमति समेत दस्तावेज मांगे, सरकारी आवास के निजी उपयोग पर डॉक्टर को नोटिस की तैयारी



मीडिया ऑडीटर, सिंगरीली(निप्र)। देवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में सरकारी आवासीय क्वार्टर का कथित रूप से निजी उपयोग किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर गुरुवार देर शाम एसडीएम सुशीर



श्रीकृष्ण श्रीराम ने टीम के साथ सीएचसी का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल परिसर के पीछे स्थित एक सरकारी आवासीय क्वार्टर में निजी साईं डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित होता मिला। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए डायग्नोस्टिक सेंटर के पूरे परिसर को अगले आदेश तक सील कर दिया। एसडीएम ने सेंटर संचालक को तीन कार्य दिवस के भीतर सेंटर संचालन की अनुमति सहित सभी आवश्यक दस्तावेज उपखंड कार्यालय देवसर में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

शिकायत के बाद प्रशासन ने की जांच: प्रशासन के अनुसार एसडीएम को शिकायत मिली थी कि देवसर सीएचसी परिसर में स्थित सरकारी आवासीय क्वार्टर का इस्तेमाल निजी डायग्नोस्टिक सेंटर चलाने के लिए किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से

लेते हुए एसडीएम टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सेंटर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सामने आया कि चिकित्सक डॉ. आनंद कुमार गुप्ता के सरकारी क्वार्टर में साईं डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था। प्रशासनिक टीम ने सेंटर के संचालन और उपलब्ध दस्तावेजों के संबंध में जानकारी ली।

मौके पर नहीं मिले जरूरी दस्तावेज: निरीक्षण के दौरान प्रशासन के अनुसार सेंटर संचालन के लिए आवश्यक वैध अनुमति और अन्य संबंधित दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत नहीं किए गए। जांच में सेंटर का संचालन ग्राम जोगीनी, तहसील देवसर निवासी रामलौटन बैस, पिता रामबदन बैस द्वारा किया जाना बताया गया। इसके बाद एसडीएम ने संचालक को निर्देश दिए कि तीन कार्य दिवस के भीतर सेंटर संचालन की अनुमति तथा अन्य सभी जरूरी दस्तावेज

उपखंड कार्यालय देवसर में जमा किए जाएं। दस्तावेजों की जांच के बाद ही सेंटर के संचालन के संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी क्वार्टर के निजी उपयोग पर डॉक्टर को नोटिस: प्रशासन ने सरकारी आवासीय क्वार्टर के निजी उपयोग को भी गंभीरता से लिया है। संबंधित चिकित्सक डॉ. आनंद कुमार गुप्ता को इस संबंध में नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन यह भी जांच करेगा कि सरकारी आवास का उपयोग किस अनुमति अथवा आधार पर निजी गतिविधि के लिए किया जा रहा था। सील किए गए परिसर की जिम्मेदारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवसर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीएल सिंह को सौंपी गई है। प्रशासन की ओर से परिसर की निगरानी और सील की स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

चित्रकूट में बाढ़ के 5 दिन बाद भी तबाही के निशान, घर-दुकानों में जमा कीचड़



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में मंदकिनी नदी के पांच दिन में तीन बार उफ़ान पर आने के बाद अब बाढ़ का पानी उतर चुका है। लेकिन तबाही के निशान अभी भी साफ दिखाई दे रहे हैं। घरों, दुकानों और गलियों में कीचड़ और मलबा जमा है। कई परिवारों की गृहस्थियां बर्बाद हो गई हैं। जबकि दुकानदारों का लाखों रुपए का सामान खराब हो गया है। अब प्रभावित लोग गहत सामग्री से ज्यादा घरों और दुकानों की सफाई में जुटे हैं। आरोग्यधाम में जनरल स्टोर और कपड़ों की दुकान संचालित करने वाली ममता शर्मा ने बताया कि पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का समय नहीं मिला। पुष्पा लंका तिप्हे के फुटवियर दुकानदार जितेंद्र के मुताबिक उनकी दुकान में करीब 3

लाख रुपए का सामान खराब हो गया। प्रशासन, मठ-मंदिरों और स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से प्रभावित लोगों तक भोजन-पानी पहुंचाया जा रहा है। हालांकि अब सफाई के लिए पानी की कमी बढ़ी समस्या बन गई है। कई घरों और दुकानों में जमा कीचड़ साफ करना मुश्किल हो रहा है। बाढ़ के बाद मुख्य सड़क पर यातायात शुरू हो गया है। और सड़क से काफी हद तक कचरा व कीचड़ हटया जा चुका है। अब मोहल्लों और गलियों में सफाई अभियान तेज किया गया है। मलबा हटाने का काम भी जारी है। बाढ़ से चित्रकूट के 19 टुंसफैमर प्रभावित हुए थे। इनमें 11 ठीक किए जा चुके हैं। कुल 1275 प्रभावित उपभोक्ताओं में से 709 की बिजली बहाल हो गई है। जबकि 566 कनेक्शनों पर कर्मचारी काम कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर नौद्विद्या गौशाला में सीईओ सौम्या आनंद ने किया गौपूजनगौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, गौवंश के स्वास्थ्य और आजीविका गतिविधियों पर दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद ने नौद्विद्या स्थित गौशाला पहुंचकर विधिवत गौपूजन किया। उन्होंने

गौवंश के संरक्षण और सेवा को भारतीय संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौपूजन के बाद उन्होंने गौशाला परिसर एवं आसपास चल रहे विभिन्न

निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यों की प्रगति, उपयोगिता तथा गुणवत्ता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने मौके पर मौजूद जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, एपीओ, एवीएफओ, उपयंत्री, पंचायत सचिव एवं जीआरएस से निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पंचायत स्तर पर कराए जा रहे सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक लाभ ग्रामीणों को मिलना चाहिए तथा सभी कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप समय-सीमा में पूरे किए जाएं। सौम्या आनंद ने हितग्राहीमूलक खेत तालाबों को केवल जल संरचनाओं तक सीमित न रखते हुए उन्हें ग्रामीणों की आजीविका गतिविधियों से

जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मनरेगा, 16वें वित्त आयोग एवं स्वकराधान से संबंधित कार्यों की प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उनका बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के लिए कहा। गौशाला का निरीक्षण करते हुए सीईओ ने गौवंश की बेहतर देखभाल, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौवंश में खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक टीकाकरण कराने पर जोर दिया। इसके साथ ही गौशाला से संबंधित पंचियों का व्यवस्थित एवं अव्यवस्थित संभरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला परिसर में स्वच्छता

व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा गाय के गोबर से उपयोगी उत्पाद तैयार कर उन्हें आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की संभावनाओं पर काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि गौशाला को केवल गौवंश संरक्षण का केंद्र न रखते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर विकसित करने के माध्यम के रूप में भी विकसित किया जाना चाहिए। सीईओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए गए निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों, गौशाला की व्यवस्थाओं और आजीविका गतिविधियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। जन्माष्टमी के अवसर पर गौपूजन के साथ विकास एवं आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के निरीक्षण से प्रशासन की ग्रामीण विकास और गौरक्षण को साथ लेकर चलने की प्राथमिकता भी सामने आई।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड की नई कार्यकारिणी में एडवोकेट महेश तिवारी को प्रदेश सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं शक्तिमान विश्वकर्मा को ग्रामीण अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दोनों पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवा साथियों में उत्साह का माहौल देखा गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन की ओर से दी गई जिम्मेदारी के लिए शीघ्र नेतृत्व का आधार

जताया। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस की विचारधारा और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। साथ ही सेवादल यंग ब्रिगेड की जमीनी स्तर पर अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। नियुक्ति के बाद शहर अध्यक्ष निशांत सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और साथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ कांग्रेस

नेता एवं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह नीरज और युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनूप चंदेल भी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से मिलने पहुंचे। उन्होंने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में रंजीत तिवारी उपसपरपंच बहुरीबांध, सुयश मिश्र, नीरज यादव, रवि, सुमित सिंह, रवि रावत, उमेश पाल, मनीष यादव, सत्यम सोधिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और युवा साथी मौजूद रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वे उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। कार्यकर्ताओं से समन्वय बनाकर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड की गतिविधियों को गांव और जमीनी स्तर तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सक्रियता से कार्य किया जाएगा।

कन्या महाविद्यालय में रक्षाबंधन, बलराम जयंती और जन्माष्टमी पर विविध आयोजन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों के प्रति छात्राओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सामाजिक सौहार्द और

सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। कार्यक्रम में भगवान बलराम के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओपी नामदेव ने कहा कि भगवान बलराम शक्ति, परिश्रम, कृषि और अनुशासन के प्रतीक हैं। उनके जीवन से विद्यार्थियों को साहस, सदाचार एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं

को अपनी सांस्कृतिक विरासत और जीवन-मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर प्रकृति से भाईचारा का संदेश देते हुए महाविद्यालय परिसर में पेड़ों को राखी बांधी गई। डॉ. प्रतिमा कौल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं बल्कि सम्मान, विश्वास, सहयोग और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक भी है। पेड़ों को राखी बांधना प्रकृति संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है। इसी क्रम में स्वच्छ देवालय, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ समाज के संदेश के साथ मंदिर की सफाई की गई। डॉ. देवेंद्र कुमार सोनी ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन कर्म, कर्तव्य, धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्राओं से स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रवेश मिश्रा के नेतृत्व में जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 'नन्हे कान्हा के

संग, पोषण और खुशियों के रंग थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जन्माष्टमी के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप और उनकी लीलाओं पर आधारित मनमोहक झांकियां तैयार की गईं। नन्हे-मुन्हे बच्चे कान्हा के रूप में सजकर कार्यक्रम में

शामिल हुए। बच्चों के कृष्ण स्वरूप ने आयोजन को आकर्षक बना दिया और आंगनबाड़ी केंद्रों का वातावरण भक्तिमय एवं आनंदमय नजर आया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए विशेष पोषण आहार एवं भोज की व्यवस्था की गई। उन्हें खीर, पूरी, सब्जी एवं लड्डू सहित विभिन्न पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित की गई। वहीं गर्भवती एवं धात्री माताओं को भी विशेष पोषण आहार उपलब्ध कराया गया। आयोजन के माध्यम से माताओं को बच्चों के समुचित पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर किशोरी बालिकाओं के लिए भी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। उन्हें पोषण, स्वास्थ्य एवं

स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने बच्चों एवं माताओं को संतुष्टि आहार, स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान की। जन्माष्टमी समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, माताओं एवं किशोरी बालिकाओं में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से परिचित कराना रहा। आयोजन के माध्यम से पोषण भी, उत्सव भी, जन्माष्टमी के रंग में खुशियां भी।** का संदेश दिया गया।

कुशाभाऊ ठाकरे की तपस्या से खड़ा हुआ भाजपा का विशाल संगठन: राजेंद्र शुक्ल

जयंती पर अटल कुंज में पुष्पांजलि कार्यक्रम, सांसद जनार्दन मिश्रा बोले- ठाकरे जी का भाषण नहीं, आचरण बोलता था



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी

के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश में पार्टी संगठन के

शिल्पकार स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती के अवसर पर भाजपा

कार्यालय अटल कुंज में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, मातृशक्ति एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्व. ठाकरे के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे के बताए मार्ग पर चलकर ही मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का मजबूत संगठन तैयार हुआ है, जिसकी प्रशंसा पूरे देश में होती है। उन्होंने कहा कि ठाकरे जी पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज

थे। उन्होंने भाजपा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपना पूरा जीवन कठिन परिश्रम और संगठन निर्माण में समर्पित कर दिया। राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि आज ठाकरे जी की जयंती पर उनके बताए मार्ग पर चलने और पार्टी को सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी बनाने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। उनके विचार और कार्यपद्धति आज भी पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देते हैं।

ठाकरे जी का भाषण नहीं, उनका आचरण बोलता था: रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने स्व. कुशाभाऊ ठाकरे का स्मरण करते

हुए कहा कि वे लाखों कार्यकर्ताओं को विचार और संस्कार के आधार पर तैयार करने वाले महान संगठनकर्ता थे। उन्होंने भाजपा के संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने और जनसेवा के लिए राजनीति को माध्यम बनाने की प्रेरणा दी। सांसद ने कहा कि भाजपा का आज जो विशाल स्वरूप दिखाई देता है, उसके मूल में कुशाभाऊ ठाकरे की तपस्या और संगठन निर्माण की दूरदृष्टि है। ठाकरे जी का भाषण नहीं, उनका आचरण बोलता था। उन्होंने सादरी, त्याग और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने का काम किया।



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में सीमेंट प्लांट के कर्मचारी संजय पटेल (35) की मौत हो गई। संजय बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी कटिया कला के पास बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। संजय सतना जिले के उचेहरा क्षेत्र के रंगौली गांव के रहने वाले थे। वे रात करीब 10 बजे घर से सीमेंट प्लांट ड्यूटी के लिए निकले थे। हादसे

की जानकारी मिलने के बाद शुकुवार दोपहर परिरजन शव लेकर प्लांट के मुख्य गेट पर पहुंचे और सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कंपनी से मुआवजे की मांग प्रदर्शनकारी कंपनी प्रबंधन से उचित मुआवजा और परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस नेत्री डॉ. रंजिम सिंह पटेल प्रदर्शन की अगुवाई कर रही हैं। परिरजनों का कहना है कि संजय ड्यूटी पर जाते समय हादसे का शिकार हुए इसलिए कंपनी को परिवार की आर्थिक मदद करनी चाहिए।

जवाब दे चुनाव आयोग

संपादकीय

चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक बार फिर चर्चा में नहीं, सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास बक्त है कि वे आपर्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में

कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे

लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं,

जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी 'फर्जी' जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है?

महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात् 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, 'फर्जी' करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक

सविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है? एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें भिंची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है।

समझी जाएं जेन-जी की आकांक्षाएं

डॉ. मनिष दामाडे

भारत में जेन-जी की आकांक्षाएं किसी एक चुनाव या एक अभियान की बात नहीं हैं। यह भारत के लोकतंत्र के आगे वाले कल की दिशा तय करने वाला सवाल है। जो भी नेतृत्व राजर्षि की संकल्पना को आत्मसात कर उसके अनुरूप आचरण करेगा, वही इस पीढ़ी का भरोसा जीत पाएगा।

आज भारतीय राजनीति में जेन-जी को लेकर जो हलचल दिख रही है, वह कोई अचानक उभरा हुआ सद्धान नहीं है। यह एक बड़े बदलाव की स्वीकृति है। सवाल यह है कि क्या यह पीढ़ी वाकई राजनीति में इतनी अहम है या फिर मीडिया के एक हिस्से और इंटरनेट मीडिया की देन है? सच्चाई इन दोनों के बीच है। बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने वाली बात यह है कि हर चुनावी विश्लेषण अब जेन-जी को किसी जादुई ताकत की तरह पेश करने की जल्दी में है। वह भी तब जब हमारे चुनाव अब भी बहुत हद तक स्थानीय मुद्दों, जातिगत समीकरणों, सरकारी योजनाओं और नेताओं की छवि से ही तय होते हैं। भारत की करीब एक चौथाई आबादी जेन-जी है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या के बावजूद राजनीतिक फैसलों के केंद्र में अपेक्षित स्थान नहीं पा रही। यही असंतुलन इसे अहम बना देता है। जब कोई इतना बड़ा तबका संस्थाओं के भीतर अपनी बात कहने की जगह नहीं पाता, तो वह स्वाभाविक रूप से संस्थाओं के बाहर अपनी आवाज दूढ़ने लगता है। जेन-जी की प्रकृति और स्वरूप पर विचार करें तो यह कोई एक जैसा एकरूप समूह नहीं है। यह इलाके, भाषा, जाति, वर्ग और आर्थिक हैसियत के हिसाब से बहुत अलग-अलग है। इसे 'वोट बैंक' कहना उसकी असली तस्वीर को छोटा करके देखना होगा। बेंगलुरु के किसी स्टार्टअप में काम करने वाला युवक, प्रयागराज में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही छात्रा और किसी छोटे शहर में परिवारिक काम-धंधा संभाल रहा लड़का, सभी जेन-जी के प्रतिनिधि हैं, लेकिन उनकी पसंद और प्राथमिकताएं भिन्नता लिए हो सकती हैं। इस पीढ़ी को किसी एक विचारधारा या किसी एक पार्टी के दायरे से बांधकर देखना उचित नहीं। इस पीढ़ी को आखिर जोड़ता क्या है? इसका जवाब है डिजिटल दुनिया से इसका गहरा जुड़ाव। यह भारत की पहली पीढ़ी है जो स्मार्टफोन और इंटरनेट मीडिया के साथ बड़ी हुई है, जहां खबर पलक झपकते फैल जाती है। इसी वजह से आज कोई भी छोटी नाराजगी देश भर के आक्रोश का कारण बन सकती है। न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के युवाओं में इस समय एक बेचैनी दिखाई पड़ती है। उन्हें अपना भविष्य अनिश्चित दिख रहा है। तेजी से बदलती तकनीक, आटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से नौकरियों पर मंडराता खतरा और सत्ता में बैठे लोगों के प्रति गहराता अविश्वास उन्हें परेशान कर रहा है। पिछले दो वर्षों में नेपाल, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मोरक्को और पेरू जैसे देशों में युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने सरकारों को हिला दिया या गिरा भी दिया। इन सभी आंदोलनों में यही एक समान पहलू था कि यह कोई विचारधारा की लड़ाई नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, चंद लोगों की चांदी और नीतियों से स्वयं को बाहर रखे जाने के खिलाफ गुस्सा था। भारत का युवा भी अपने फोन की स्क्रीन पर यह सब देखता है। इसलिए यह असंतोष अब सीमाओं के आरपाय महसूस होने लगा है। अपने देश में देखें तो यह बेचैनी पढ़ाई और नौकरी के बीच बढ़ती दूरी से भी पैदा होती है। एक पूरी पीढ़ी को पढ़ने, हुनर सीखने और मेहनत करने के लिए कहा गया, लेकिन जब परीक्षा में गुड़बंदी, भर्ती में देरी और अवसरों में अभाव की बात सामने आती है, तो यह इंसाफ न मिलने का गहरा दर्द बन जाती है। पढ़े-लिखे बेरोजगारों की बढ़ती संख्या यही बताती है कि डिग्रियां तो बड़ी हैं, लेकिन उस हिसाब से प्रतिष्ठा वाली नौकरियां नहीं बढ़ीं। अगर राजनीतिक दल इस मुश्किल को सिर्फ एक संवाद की समस्या मानकर हल करने की कोशिश करेंगे और सोचेंगे कि इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब वीडियो, थोड़ी और 'कूल' भाषा से बात बन जाएगी तो यह एक बड़ी गलती होगी। नए जमाने के मंचों को अपनाना जरूरी है, लेकिन सिर्फ इतना काफी नहीं। एक वायरल रील किसी युवा के सल्लों की मेहनत के बाद मिली निराशा को मिटा नहीं सकती। जब असल समस्या संस्थाओं की हो तब अच्छी पैकेजिंग नाराजगी को कुछ समय के लिए टाल तो सकती है, लेकिन हमेशा के लिए खत्म नहीं कर सकती।

योगेश कुमार गोयल

शिक्षक दिवस 5 सितम्बर पर विशेष

आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पथर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी। भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद

उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की

साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे। दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने

मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब

नाती। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चे को सफल बनाने के साथ-साथ उसे एक संवेदनशील, विवेकशील, जिम्मेदार और अच्छा इंसान बनाना भी होना चाहिए। यदि ज्ञान के साथ संस्कार, चरित्र और मानवीय मूल्यों का विकास नहीं हुआ तो सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करे। यही गुण आगे चलकर परिवार, समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाते हैं। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का शिक्षा-दर्शन भी इसी व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित था। उनका विश्वास था कि सही शिक्षा व्यक्ति के चरित्र का निर्माण कर समाज की अनेक बुराइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं बल्कि शिक्षा के उद्देश्य पर आत्ममंथन का दिन भी है। उनके आदर्शों, शिक्षाओं और जीवन-मूल्यों को अपनाकर ही हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं, जो ज्ञानवान होने के साथ संस्कारित, संवेदनशील और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान दे। संसार में गुरुओं के बारे में जो दावे किए जाते हैं कि वह अपने भक्तों के सभी पापों को खत्म करने में सक्षम होते हैं एवं सभी देवताओं के ऊपर हैं इत्यादि, यह सभी दावे केवल उस एक सतगुरु परमात्मा के लिए ही किए जा सकते हैं, न कि किसी देहधारी के लिए क्योंकि अन्य सभी तो हमारे जैसे नश्वर प्राणी हैं जो समय और प्रकृति की सीमाओं से बंधे हुए हैं। अतः वे एक सीमित हद तक ही हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं। दूसरा किसी अन्य व्यक्ति के पापों को खत्म करने की अवधारणा कर्म के कानून के विपरीत है क्योंकि उसके अनुसार हर आत्मा को उसके कर्मानुसार फल की प्राप्ति होती है। अतः पापियों के पाप यदि कोई हर सकता है तो वह केवल एक सतगुरु परमात्मा ही हैं जो गुरुओं के भी गुरु हैं। लेकिन इससे भी बढ़कर यदि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ साथ ईश्वरीय वाणी को भी आत्मसात कर ले तो जीवन सार्थक हो जायेगा।



आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टैम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने

के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें

तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। आज के दौर में अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता अक्सर यह रहती है कि उनका बच्चा पढ़ाई में अव्वल आए, प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाए और आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक या प्रशासनिक अधिकारी बने। निसंदेह जीवन में सफलता, उकृष्ट शिक्षा और व्यावसायिक उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं लेकिन केवल ऊंचे पद और बड़ी डिग्रियां किसी व्यक्ति को महान नहीं

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

(5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर विशेष)

बचपन की शिक्षा से लेकर करियर बनने तक वह हमें सीखने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। वरिष्ठ को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी बनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है।

रमेश सर्तक धमोर

शिक्षक हमारे जीवन में सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तरीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर का अंतिम शुक्रवार, बाजील में 15 अक्टूबर और पाकिस्तान में पांच अक्टूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में

मानने की इच्छा जताई थी। डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और



स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। जो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के

प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध

विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी

कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहार्य गुरु अपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते हैं। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियों मे समझाया है:-

'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़े खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट' कबीर दास जी कहते हैं कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह हैं और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकतें करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है।

मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरु शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा। शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र देर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। पहले के समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षकों और छात्र दोनों ही बदल गये हैं। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शोक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है।

छत्तीसगढ़ से सैकड़ों किमी चलकर एसटीआर सीमा तक पहुंचा जंगली हाथी, तामिया में मचा आतंक

मौडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। छत्तीसगढ़ से सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय कर एक जंगली हाथी अब सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) की सीमा के बेहद करीब पहुंच गया है। हाथी वर्तमान में एसटीआर की सीमा से करीब 8 से 10 किलोमीटर दूर बताया जा रहा है। हाथी की लगातार आवाजाही को देखते हुए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व प्रबंधन और वन विभाग अलर्ट मोड पर हैं तामिया क्षेत्र के आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है



हाथी की गतिविधियों पर नजर रखने और उसकी लोकेशन लगातार अपडेट करने के लिए वन विभाग ने तीन विशेष ट्रेकिंग टीमें गठित की हैं प्रत्येक टीम में गश्ती दल के पांच सदस्य शामिल हैं टीमों को वाहन, दूरबीन और कैमरों से लैस किया गया है, ताकि जंगल और गांवों के आसपास हाथी की गतिविधियों की निगरानी

की जा सके।
तामिया के गांवों में बढ़ी दहशत: जंगली हाथी इन दिनों तामिया के आसपास के गांवों में पहुंचकर लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है गुरुवार को बीजाछाना गांव में जंगल से लौट रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग पर हाथी ने हमला कर दिया हमले में बुजुर्ग की जांच में गंभीर चोट आई है

नर्मदापुरम में अति भारी बारिश का अलर्ट, बरगी डैम के 13 गेट खुले

मौडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में शुक्रवार सुबह से आसमान में काले बादल छाए हुए हैं और बारिश का दौर जारी है मौसम वैज्ञानिकों ने जिले में अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है गुरुवार को भी जिले के लिए रेड अलर्ट था हालांकि नर्मदापुरम शहर में तेज बारिश नहीं हुई, लेकिन दोपहर से रात तक रुक-रुककर हल्की बारिश होती रही। वहीं सिवनीमालवा तहसील में ढाई इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई मौसम में बदलाव और लगातार सक्रिय मौसम प्रणालियों को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभागों को सतर्क रहने की जरूरत है। बारिश के कारण नदी-नालों के जलस्तर में बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है मौसमविद एचएस पांडे के अनुसार शुक्रवार को जिले के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है कुछ स्थानों



पर अति भारी बारिश की स्थिति भी बन सकती है उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश और गुजरात के हिस्सों से होकर एक ट्रफ लाइन गुजर रही है राजस्थान के गंगानगर की ओर भी ट्रफ लाइन बनी हुई है इसके अलावा उत्तरप्रदेश की ओर ऊपरी हवाओं का चक्रवात सक्रिय

है इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई हिस्सों में 7 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है जबलपुर के बरगी डैम के गुरुवार देर रात 13 गेट खोल दिए गए गेट

नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर 938.40 फीट दर्ज किया गया बरगी डैम से पानी छोड़े जाने और जिले में बारिश के कारण नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। तवा डैम का जलस्तर भी 1155 फीट के पार पहुंच गया है यह गर्वनिंग लेवल से करीब 9 फीट ऊपर बताया गया है लगातार बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में और बढ़ोतरी की संभावना है जिले में 1 जून से 3 अगस्त के बीच औसतन 27.26 इंच बारिश दर्ज की गई है पिछले वर्ष इसी अवधि में करीब 47 इंच बारिश हुई थी। इस तरह इस वर्ष अब तक बारिश पिछले साल की तुलना में कम रही है। हालांकि आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिले में नदी-नालों और बांधों के जलस्तर पर निगरानी बढ़ना जरूरी हो गया है।

20 महीने बाद भाजपा नर्मदापुरम की नई जिला कार्यकारिणी घोषित, 68 कार्यसमिति सदस्य बनाए



मौडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी नर्मदापुरम की नई जिला कार्यकारिणी को लेकर करीब 20 महीने से चल रहा इंतजार शुक्रवार को खत्म हो गया। जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने जिला कार्यकारिणी की अधिकृत सूची

जारी कर दी शुक्रवार सुबह करीब 11.30 बजे भाजपा के सोशल मीडिया पेज पर सूची सार्वजनिक की गई नई कार्यकर्ताओं में कुल 68 जिला कार्यसमिति सदस्य, 21 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 36 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए

गए हैं जिला संगठन में लंबे समय से नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर चर्चाएं चल रही थीं सूची जारी होने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच नई जिम्मेदारियां पाने वाले नेताओं को लेकर उत्सुकता दिखाई दी कार्यकारिणी में विभिन्न क्षेत्रों

और सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है पार्टी स्तर पर इसे संगठन को आगे बढ़ाने और आगामी गतिविधियों के लिए टीम तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

21 नेताओं को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया: जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला की ओर से जारी सूची में नर्मदापुरम संभाग प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, जिला प्रभारी अलकेश आर्य और प्रदेश मंत्री राजू मालवीय सहित कुल 21 नेताओं को स्थायी आमंत्रित समिति में स्थान दिया गया है स्थायी आमंत्रित सदस्यों में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है इन नेताओं

की मौजूदगी से जिला संगठन और वरिष्ठ नेतृत्व के बीच समन्वय को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।
36 विशेष आमंत्रित सदस्य भी शामिल: नई जिला कार्यकारिणी में 36 विशेष आमंत्रित सदस्यों को भी जगह दी गई है इसके साथ ही 68 नेताओं को जिला कार्यसमिति में शामिल किया गया है इस तरह पार्टी की नई जिला टीम में अलग-अलग स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व मिला है सूची तैयार करते समय सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है भाजपा संगठन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलने की

निरीक्षक राकेश कुमार कुशवाह ने राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

मौडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस के लिए गौरव का एक और अवसर सामने आया है। पुलिस मुख्यालय, भोपाल में निज सहायक के पद पर पदस्थ निरीक्षक राकेश कुमार कुशवाह ने अपनी निशानेबाजी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है उनकी इस उपलब्धि से मध्यप्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ा है शासकीय दायित्वों के साथ खेल के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीतना उनकी लगन, अनुशासन और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जबलपुर में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता: 13वीं एमपी स्टेट गन फॉर ग्लोरी शूटिंग प्रतियोगिता-एनआर का आयोजन जबलपुर में 20 से 26 अगस्त 2026 तक किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से निशानेबाजों ने हिस्सा लिया इसी प्रतियोगिता में राकेश कुमार कुशवाह ने 10 मीटर पिस्टल (एनआर) मास्टर मेन इंडिविजुअल स्पर्धा में भाग लिया प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया और रजत पदक अपने नाम किया वे ग्वालियर डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में प्रतियोगिता में शामिल हुए थे राज्य स्तरीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन कर पदक हासिल करना उनके निरंतर अभ्यास और निशानेबाजी के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

शासकीय दायित्वों के साथ खेल में भी सक्रिय: राकेश कुमार कुशवाह वर्तमान में पुलिस मुख्यालय, भोपाल में निज सहायक के रूप में शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं कार्यालयीन जिम्मेदारियों के साथ निशानेबाजी के लिए समय निकालकर निरंतर अभ्यास करना उनकी कार्य के प्रति गंभीरता और खेल के प्रति रुचि को दर्शाता है। पुलिस विभाग में सेवाएं देते हुए खेल के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना आसान नहीं होता इसके लिए नियमित अभ्यास, अनुशासन और समय प्रबंधन की आवश्यकता होती है कुशवाह ने इन सभी पहलुओं के बीच संतुलन बनाते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया ।



सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह मध्यप्रदेश पुलिस की

बहुआयामी प्रतिभाओं को भी सामने लाती है पुलिस विभाग में अधिकारी और कर्मचारी

अपने नियमित शासकीय दायित्वों के साथ विभिन्न खेलों एवं अन्य क्षेत्रों में भी

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहे हैं उनकी इस उपलब्धि से पुलिस विभाग के उन

जिम्मेदारियों के साथ खेल और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर कुशवाह ने यह संदेश दिया है कि नियमित शासकीय कार्यों के साथ अनुशासन और निरंतर अभ्यास के जरिए खेल प्रतिभा को भी आगे बढ़ाया जा सकता है मध्यप्रदेश पुलिस के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विभागीय दायित्वों के साथ खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारी अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा बनते हैं राकेश कुमार कुशवाह की सफलता से निशानेबाजी के प्रति रुचि रखने वाले पुलिसकर्मियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मड़ीखेड़ा डैम के 4 गेट खुले, शिवपुरी में भारी बारिश से हालात बिगड़े

मौडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं शहर की कई कॉलोनियों और सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई है लगातार बारिश के बीच अटल सागर मड़ीखेड़ा डैम का जलस्तर बढ़ने पर शुक्रवार शाम पहली बार इस सीजन में चार गेट खोल दिए गए वहीं सिरसौद थाना क्षेत्र में रपटा पार करते समय 21 वर्षीय युवक तेज बहाव में बह गया उसकी तलाश जारी है सिरसौद थाना क्षेत्र के सिकराऊदा गांव में श्रीराम पुत्र राजू रावत रपटा पार कर रहा था इसी दौरान वह तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया घटना के बाद उसकी तलाश शुरू की गई लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल सका है। प्रशासन और पुलिस की टीम तलाश में जुटी है पोहरी अनुविभाग में सकुला नदी के उफान के कारण छर्चर्-बिलौआ मार्ग भी बंद हो गया है यहां प्रशासन ने सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मों तैनात किए हैं। लगातार पानी की आवक के कारण मड़ीखेड़ा डैम का

जलस्तर शुक्रवार शाम 4 बजे 345.15 मीटर पहुंच गया डैम की क्षमता 346.25 मीटर है और यह 90.90 प्रतिशत भर चुका है जलस्तर नियंत्रित करने के लिए चार गेट खोले गए हैं गेटों से 1037.33 क्यूमेक्स और पावर हाउस से 135.42 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है कुल 1172.75 क्यूमेक्स पानी सिंध नदी में छोड़ा जा रहा है पानी छोड़े जाने के बाद मड़ीखेड़ा, धमकन, पचपेड़िया, कल्याणपुर, नानकपुर, सुल्तानपुर और पवा सहित सिंध नदी किनारे के गांवों में अलर्ट जारी किया गया है ग्रामीणों से नदी किनारे नहीं जाने की अपील की गई है लगातार बारिश और नदी-नालों के उफान को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव ने 5 सितंबर को जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित किया है इसमें शासकीय, अशासकीय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय, आईसीएसई और सीबीएसई स्कूल शामिल हैं जिले में 1 जून से अब तक औसतन 764.46 मिमी बारिश दर्ज हुई है।

नाले में मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका



मौडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेन्द्रगढ़ शहर में शुक्रवार को एक युवक का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई घटना वार्ड नंबर 14 में शारदा मंदिर के पीछे रेलवे पट्टी किनारे की है मृतक की पहचान वार्ड नंबर 4 निवासी राकेश यादव उर्फ गोलू, पिता हीरालाल यादव के रूप में हुई है स्थानीय लोगों ने नाले में

युवक का शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। राकेश यादव की मौत को लेकर उसके परिजनों

ने हत्या की आशंका जताई है हालांकि पुलिस की जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल से संबंधित साक्ष्यों को जुटाना शुरू कर दिया है जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं पुलिस मृतक की मौत से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है पुलिस के अनुसार फिलहाल मौत के कारण के संबंध में निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है इसके आधार पर आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी

संक्षिप्त समाचार

खरगोन में 10 दिन बाद हुई बारिश: कसरावद-भीकनगांव में आधा घंटे तेज बारिश



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में 10 दिन बाद शुक्रवार सुबह बारिश हुई। कसरावद और भीकनगांव में करीब आधा घंटे तक तेज बारिश हुई, जिससे दोनों क्षेत्रों में करीब आधा इंच पानी दर्ज किया गया। गोगावा और सेगांव में भी हल्की बौछारें पड़ीं। बारिश से कपास और सोयाबीन की फसलों को राहत मिली है।

कपास के लिए ज्यादा बारिश नुकसानदायक: बारिश से फिलहाल फसलों को फायदा हुआ है, लेकिन अगर आने वाले दिनों में लगातार तेज बारिश होती है तो कपास की फसल को नुकसान हो सकता है। किसानों के लिए अब बारिश का संतुलित दौर जरूरी है, ताकि फसलों को पर्याप्त नमी मिलती रहे।

औसत से 7.2 इंच पीछे बारिश: जिले में अब तक कुल 25.4 इंच बारिश दर्ज की गई है। सालाना औसत 32.6 इंच के मुकाबले अभी 7.2 इंच बारिश कम है। हालांकि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस बार बारिश करीब 5 प्रतिशत ज्यादा है।

राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस पर विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीहोर में राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्तासुश्री सोयन राय, सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय रेहटीने'लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों' में रोजगार के अवसर'विषय पर व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्यडॉ. रोहिताश्व कुमार शर्माने उद्यमिता एवं स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया। कार्यक्रम मेंडॉ. शीलचन्द्र गुप्ता, डॉ. सुमन रोहिला, डॉ. सिद्धनाथ खजूरियासहित प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मंदसौर में 136.85 विक्टल लहसुन की हेराफेरी

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के पिपलियामंडी पुलिस ने 136.85 विक्टल लहसुन की हेराफेरी के मामले में ट्रक मालिक को इंदौर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हेराफेरी किए गए लहसुन से मिले 8 लाख 72 हजार 810 रुपए नकद और करीब 15 लाख रुपए कीमत का आयशर ट्रक जब्त किया है। जांच में सामने आया कि माल ले जाते समय ट्रक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी। मामले में चालक समेत तीन आरोपी अभी फरार हैं।

पश्चिम बंगाल भेजना था 432 बोरी लहसुन: पुलिस के अनुसार व्यापारी लोकेश हरजानी को पश्चिम बंगाल के धूपगुड़ी स्थित गुप्ता ट्रेडिंग कंपनी से 432 बोरी लहसुन का ऑर्डर मिला था।

तेलंगाना में चोरी कर भाग रहे थे राजस्थान के चोर



वेगनआर कार अदिलाबाद से चोरी कर रतलाम फोरलेन से होकर राजस्थान लेकर जा रहे हैं। सूचना पर एसपी ने बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान को अलर्ट किया। थाना प्रभारी बिलपांक ने बल के साथ फोरलेन पर घेराबंदी की। जैसे ही कार आई उसे रोकने का प्रयास किया लेकिन बदमाशों ने वाहन को तेजी से भगाने लगे। पुलिस ने कार को बड़ी मशक्कत के साथ रुकवाया। कार के रुकते ही कार का गेट खोल दो बदमाशों ने खेतों में दौड़ लगा दी। जबकि दो को पुलिस ने मौके पर पकड़ लिया।

चोरों का 6 किमी तक किया पीछा: दो बदमाश खेतों के रास्ते होकर वन विभाग के जंगलों की तरफ भागे। पुलिस ने 6 किमी तो खेतों में पीछा कर दोनों बदमाशों को पकड़ा। सभी को बिलपांक थाने लाया गया। फिर तेलंगाना पुलिस को सूचना दी। बदमाशों ने तेलंगाना के थाना अदिलाबाद, हैदराबाद के थाना भिमिनी में कई जगहों पर चोरी करना स्वीकार किया है। बदमाशों का पकड़ने का खुलासा रतलाम पुलिस ने गुरुवार रात 8 बजे किया है।

रतलाम होकर भागते समय पुलिस ने राजस्थान के पाली के 4 चोरों को पकड़ा है। पुलिस ने घेराबंदी की तो दो चोर खेतों में भाग गए। पुलिस ने 6 किमी तक पीछा कर भागे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी अमित कुमार को बुधवार को सूचना मिली थी कि एक लाल रंग की

रतलाम पुलिस ने 4 बदमाशों को पकड़ा, 6 किमी तक पीछा कर दबोचा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। तेलंगाना के आदिलाबाद से कार चोरी कर

इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026-28 के प्रचार-प्रसार हेतु वर्कशॉप आयोजित



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) विदिशा में दिनांक 3 सितंबर 2026 को इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026-28 के प्रचार-प्रसार एवं विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप में शासकीय नवीन कॉलेज, विदिशा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को इंडिया स्किल प्रतियोगिता के उद्देश्य, विभिन्न कौशल विधाओं, पंजीयन प्रक्रिया, चयन प्रक्रिया तथा प्रतियोगिता के माध्यम से मिलने वाले अवसरों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को जानकारी दी गई कि इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026-28 में कुल 63 विभिन्न स्किल में अभ्यर्थी पंजीयन कर सकते हैं। इच्छुक

अभ्यर्थी अपनी रुचि, योग्यता एवं कौशल के अनुसार संबंधित स्किल का चयन कर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित है। अभ्यर्थी सरल पंजीकरण के लिए <https://www.skillindia2026.gov.in> पर पंजीयन कर सकते हैं। अथवा SIDH

ऐप के द्वारा भी पंजीयन कर सकते हैं। वर्कशॉप में बताया गया कि इंडिया स्किल प्रतियोगिता युवाओं को अपने तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल का प्रदर्शन करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने कौशल को निखारने तथा विभिन्न स्तरों पर अपनी

प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में अधिक संख्या में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान करते हुए उन्हें उपलब्ध 63 विभिन्न स्किल एवं पंजीयन प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास, तकनीकी दक्षता, रोजगार एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। शासकीय आईटीआई विदिशा द्वारा सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की गई कि वे 15 सितंबर 2026 की अंतिम तिथि से पूर्व इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026-28 के लिए अपना पंजीयन अवश्य कराएं और अपनी प्रतिभा एवं कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त करें।

खरगोन से बुरहानपुर जा रही यात्री बस पलटी

13 यात्री घायल, बच्ची सहित 3 की हालत गंभीर, ब्रेक फेल होने से हादसा



खरगोन इटारसी खरगोन से बुरहानपुर जा रही एक निजी यात्री बस शुक्रवार दोपहर चैनपुर थाना क्षेत्र के पाडल्या में बेकाबू होकर पलट गई। हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए, जिससे ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस सड़क पर पलट गई। हादसे में बस में सवार 13 यात्री घायल हो गए। इनमें एक बच्ची समेत तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ब्रेक फेल होने के बाद बस से छूटा नियंत्रण: बताया जा रहा है कि बस खरगोन से बुरहानपुर जा रही थी। पाडल्या के पास अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए। इसके बाद ड्राइवर बस को नियंत्रित नहीं कर सका और बस सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निकाला: हादसे की सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला। हादसे में 13 यात्री घायल हुए हैं। ज्यादातर यात्रियों के हाथ और पैर में चोट आई है। इनमें एक बच्ची समेत तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

डिस्त्रिया अस्पताल में चल रहा इलाज: सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से डिस्त्रिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में शामिल बस हबीब सुरूर कंपनी की थी।

नर्मदापुरम में भारी बारिश का अलर्ट

सिवनीमालवा में ढाई इंच से ज्यादा बारिश, बरगी डैम के 13 गेट खुले



होकर एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। राजस्थान के गंगानगर की ओर भी ट्रफ लाइन बनी हुई है। इसके अलावा उत्तरप्रदेश की ओर ऊपरी हवाओं का चक्रवात सक्रिय है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से जिले समेत प्रदेश के कई हिस्सों में 7 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

औसत से कम हुई अब तक बारिश: जिले में 1 जून से 3 अगस्त के बीच औसतन 27.26 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में करीब 47 इंच बारिश हुई थी।

बरगी डैम के 13 गेट खुले, नर्मदा बढेगी: जबलपुर के बरगी डैम के गुरुवार देर रात 13 गेट खोल दिए गए। गेट करीब 1.96 फीट की ऊंचाई तक खोले गए हैं, जिससे पानी छोड़ा जा रहा है। इसका असर नर्मदा नदी के जलस्तर पर पड़ेगा। जलस्तर में करीब 5 से 6 फीट तक बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है।

शुक्रवार सुबह सेठनी घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर 938.40 फीट दर्ज किया गया। वहीं तवा डैम का जलस्तर भी 1155 फीट के पार पहुंच गया है। यह गर्वर्निंग लेवल से करीब 9 फीट ऊपर है।

कच्चा मकान गिरने से 90 साल की महिला की मौत

छतरपुर के धरमपुर गांव में हादसा, इलाके में कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बिंजावर थाना क्षेत्र के धरमपुरा पहलेपुरा गांव में कच्चा मकान गिरने से 90 साल की महिला की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब कालिया बाई बिन्दुआ ब्राह्मण घर में सो रही थीं। मकान गिरने से वह मलबे में दब गई। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इलाके में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण कच्चे मकानों के कमजोर होने का खतरा बढ़ गया था। इसी दौरान कालिया बाई जिस मकान में सो रही थीं, वह अचानक ढह गया। पुलिस-प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच की हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटना की जानकारी ली और जांच शुरू की। पुलिस और प्रशासन हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।

इटारसी में 24 घंटे में 1.20 इंच बारिश दर्ज

तवा डैम अभी भी 11 फीट खाली, भादों में भी नहीं भर पाया

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में भादों महीने की शुरुआत के साथ ही मानसून फिर सक्रिय हो गया है। गुरुवार दोपहर से शुरू हुई तेज बारिश शुक्रवार सुबह तक रुक-रुककर जारी रही। शुक्रवार सुबह 8 बजे के बाद भी शहर में कभी रिमिनिंग तो कभी तेज बारिश होती रही। लगातार बारिश के कारण मौसम में ठंडक आ गई है और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली है।

24 घंटे में 1.20 इंच बारिश: पिछले 24 घंटे में इटारसी तहसील में 30.4 मिमी यानी 1.20 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके साथ ही इस मानसून सीजन में अब तक कुल 730.6 मिमी यानी 28.76 इंच बारिश हो चुकी है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई है। हालांकि, शहर की सड़कों और जगह-जगह बने गड्ढों में पानी भरने से पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तवा डैम में अभी 11 फीट पानी की कमी: इधर, शहर और आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने के बावजूद नर्मदापुरम जिले का सबसे बड़ा तवा डैम अभी भी पानी की कमी से जूझ रहा है। शुक्रवार सुबह 8 बजे डैम का जलस्तर 1155 फीट दर्ज किया गया। तवा डैम का पूरा जलभराव स्तर 1166 फीट है। इस हिसाब से डैम को पूर्ण

जलभराव स्तर तक पहुंचने के लिए अभी करीब 11 फीट पानी की जरूरत है। बारिश बढ़ी तो डैम में बढ़ सकती है आवक: मानसून सीजन में अब तक उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं होने के कारण तवा डैम का जलस्तर सामान्य स्थिति तक नहीं पहुंच पाया है। हालांकि, भादों के पहले सप्ताह में मानसून के फिर सक्रिय होने और लगातार बारिश होने से डैम में पानी की आवक बढ़ने की उम्मीद है। यदि आने वाले दिनों में इटारसी और तवा डैम के कैचमेंट क्षेत्र में अच्छी बारिश होती है, तो डैम के जलस्तर में भी तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल शहर में हो रही बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है।

सड़क हादसे में घायल हुए तो पैसों की चिंता नहीं खंडवा में 29 प्राइवेट अस्पताल अधिकृत, डेढ़ लाख रुपए तक कैशलेस इलाज



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के लिए पैसों की व्यवस्था में लगने वाला समय अब जानलेवा न बने, इसके लिए केंद्र सरकार ने सड़क हादसा पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा शुरू की है। पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना की तारीख से 7 दिनों तक अधिकतम 1.50 लाख रुपए का कैशलेस चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य हादसे के बाद के गोल्टन ऑवर यानी शुरुआती एक घंटे में घायल को तत्काल इलाज दिलाना है।

इलाज के लिए पैसे जुटाने में समय नहीं गंवाना होगा: हादसे के बाद कई बार परिजन अस्पताल में इलाज शुरू कराने से पहले पैसों की व्यवस्था करने में लग जाते हैं। इस वजह से घायल को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। योजना के तहत आर्थिक परेशानी इलाज में बाधा नहीं बनेगी। हादसे के बाद घायल को जल्द नजदीकी अधिकृत अस्पताल पहुंचाना जरूरी होगा।

सरकारी के साथ चिन्हित निजी अस्पतालों में भी सुविधा: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को शासकीय अस्पतालों के अलावा योजना के तहत चिन्हित निजी अस्पतालों में भी कैशलेस उपचार मिलेगा। उन्होंने बताया

कि दुर्घटना के बाद घायल को बिना देरी किए नजदीकी अधिकृत अस्पताल पहुंचाना चाहिए, ताकि उपचार समय पर शुरू हो सके।

खंडवा में इन निजी अस्पतालों में मिलेगा कैशलेस इलाज

खंडवा जिले में आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध चिन्हित निजी अस्पतालों को सड़क दुर्घटना के घायलों के कैशलेस उपचार के लिए अधिकृत किया गया है। इनमें श्रीमाली हॉस्पिटल, जिनाली आई हॉस्पिटल, सैनी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, आनंदम हॉस्पिटल, लक्ष्य हॉस्पिटल गुड्री, श्री हेल्थ केयर, के.के. हॉस्पिटल, चरक हॉस्पिटल, मिश्रा हॉस्पिटल, श्री नाथ जी हॉस्पिटल, सोनी हॉस्पिटल, प्रकाश हॉस्पिटल, गुर्जर हॉस्पिटल, जेजे हॉस्पिटल, शुभम हॉस्पिटल, रिचर्ड पेंपुरी हॉस्पिटल और नवोदय हॉस्पिटल शामिल हैं। इसके अलावा श्री साईं केयर हॉस्पिटल बोसांगव बुजुर्ग, न्यू लाइफ हॉस्पिटल, स्वर्णिम आई केयर एंड चिल्ड्रन हॉस्पिटल, नर्मदा हॉस्पिटल, लाइफलाइन हॉस्पिटल, गार्गी लाइफ केयर हॉस्पिटल सिंगोट, साइबान हॉस्पिटल, श्री दादाजी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, ईप्सा एंडोस्कोपी एवं लेजर सर्जिकल सेंटर, अत्रिवाल हॉस्पिटल, हिंदूजा हॉस्पिटल, जैन नर्सिंग होम और शुभम हॉस्पिटल भी अधिकृत सूची में हैं।

हादसे के बाद सबसे पहले घायल को अस्पताल पहुंचाएं

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति मिलने पर सबसे पहले एम्बुलेंस या नजदीकी अस्पताल की मदद से उसे चिकित्सा केंद्र पहुंचाना चाहिए। शुरुआती घंटे में इलाज मिलने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने की संभावना बढ़ जाती है।

इंग्लैंड दौरे के लिए श्रीलंका की T20I टीम का ऐलान, कुसल मेंडिस और बिनुरा फर्नांडो बाहर

कोलंबो,एजेसी। चोटिल कुसल मेंडिस और बिनुरा फर्नांडो इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका की आगामी अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (स्ल) ने बताया है कि 2026 लंका प्रीमियर लीग में लगी चोटों के बाद दोनों खिलाड़ी अभी भी रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। यह जानकारी तब सामने आई जब 16-सदस्यीय टीम में दोनों के नाम शामिल किए गए थे और कुसल को टी20 और वनडे दोनों टीमों का कप्तान बनाए रखा गया था। चरिथ असलंका, जो इस सीरीज के लिए उप-कप्तान बने थे, अब टी-20 में टीम की कप्तानी करेंगे। हालांकि कुसल को अभी वनडे से बाहर नहीं किया गया है, लेकिन अगर वह नहीं खेल पाते हैं, तो तय उप-कप्तान होने के नाते असलंका वहां भी कप्तानी संभाल सकते हैं। कुसल 19 जुलाई से दाहिने पैर की हैमिस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हैं, जबकि बिनुरा 5 अगस्त से नहीं खेले हैं। एसएलसी का कहना है कि वह पीठ की चोट के कारण बाहर हैं। 24 साल के टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज पवन रत्नायके ने टी-20 टूरिंग टीम में कुसल की जगह ली है, जबकि तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका - जो हाल ही में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका

नहीं मिला था - बिनुरा की जगह टीम में आए हैं। असलंका को वनडे कप्तान के पद से हटाए जाने के तीन महीने और टी-20 टीम से बाहर किए जाने के छह महीने बाद लीडरशिप ग्रुप में वापस लाया गया है। उन्होंने आखिरी बार इस साल फरवरी में टी-20 मैच खेला था, लेकिन अभी वह सीपीएल 2026 में सेंट लूसिया किंग्स की टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, उनका प्रदर्शन औसत रहा है, छह पारियों में 124 के स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए हैं। टी-20 मैच 15 सितंबर (साउथम्प्टन), 17 सितंबर (काडिर्फ) और 19 सितंबर (मैनचेस्टर) को खेले जाएंगे, जबकि छहवू मैच 22 सितंबर (चेस्टर-ले-स्ट्रीट), 24 सितंबर (लीड्स) और 27 सितंबर (द ओवल) को होंगे।
इंग्लैंड दौरे के लिए श्रीलंका की टी20 टीम :
पाथुम निसंका, कामिल मिशारा (विकेटकीपर), लाहिरू उदारा (विकेटकीपर), कामिंदु मेंडिस, चरिथ असलंका (कप्तान), जनिथ लियाणागे, पवन रत्नायके, दासुन शनाका, दुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महेश शीक्षाना, थरिंदु रत्नायके, दुग्ंधा चमीरा, ईशान मलिंगा, नुवान तुषारा और दिलशान मधुशंका।



युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को 26वें जन्मदिन पर दी बधाई



नई दिल्ली,एजेसी। भारत के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को शानदार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने युवा खिलाड़ी की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक बेहसरीन इंसान बन गए हैं और साथ ही उनकी

नाकामियों से सीखने और कड़ी मेहनत करने की इच्छाशक्ति की भी सराहना की। युवराज ने इंस्टाग्राम पर अभिषेक के लिए एक खास वीडियो भी शेयर की जिसमें वह काम पकड़कर उठक बैठक करते हुए एप आएं। साथ ही भारत के इस पूर्व ऑलराउंडर ने युवा

बल्लेबाज के साथ कई तस्वीरें भी साझा कीं।

युवराज ने वीडियो लिखा, 'अभिषेक, आज तुम्हारा जन्मदिन है; कितना शुभ दिन है। तुम जो इंसान बने हो, उससे प्यार करो - अपने आस-पास के लोगों का ख्याल रखने वाले और एक लीडर! हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हो और हर बार और कड़ी मेहनत करने को तैयार रहते हो! तुम्हारे लिए ढेर सारे रन और शतक वाला साल हो! हमेशा बहुत सारा प्यार!'

वीडियो में उनके रिश्ते का मजेदार पहलू भी दिखा। इसमें युवराज मजाक-मजाक में अभिषेक से कान पकड़कर उठक-बैठक लगावाते दिखे, क्योंकि युवा खिलाड़ी ने मैचों में खराब शॉट खेले थे। अभिषेक से यह वादा भी करवाया गया कि वे यह गलती दोबारा नहीं दोहराएंगे। युवराज जिन्होंने अपने 17 साल के भारतीय करियर में 404 इंटरनेशनल मैच खेले और 11,778 रन बनाए, अभिषेक के विकास में एक अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में भारत के सबसे आक्रामक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाजों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। बाएं हाथ के यह ओपनर बाएं हाथ से ऑर्थोडॉक्स स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं और इंटरनेशनल लेवल पर भारत के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर

लीग (IPL) में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस युवा खिलाड़ी ने सबसे छोटे फॉर्मेट में कई शानदार पारियां खेली हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 54 गेंदों पर बनाए गए उनके 135 रन T20I में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है, जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों पर बनाए गए 141 रन, IPL में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर (चरु राहुल के नाबाद 152 रन) है

अभिषेक टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे हैं। 2025 में वह एक कैलेंडर वर्ष में टी20 क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने और उन्होंने गेंदों का सामना करने के आधार पर T20 में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने T20 में 1,629 रन औरU IPL में 2,379 रन बनाए हैं, साथ ही शानदार प्रदर्शन के दौरान ICC पुरुष T20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया है। अभिषेक 2026 ICC पुरुष T20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत वाली टीम का हिस्सा थे, जिससे उनके करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई; उनके करियर में 2018 -19 विश्व कप की जीत भी शामिल है।

महिला एशिया कप : भारत-पाकिस्तान के बीच महा मुकाबला

रिकॉर्ड से जानें किसका पलड़ा भारी

दुबई,एजेसी। महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय टीम की नजरें अब शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ लीग चरण का शानदार अंत करने पर हैं। पुरुष हों या महिला, बहु-टीम टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मुकाबलों को लेकर मैदान के बाहर काफी रोमांच रहता है लेकिन पिछले काफी समय से मैदान पर मुकाबले उतने प्रतिस्पर्धी



नहीं रहे हैं। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत का पलड़ा काफी मजबूत दिख रहा है। भारत के लिए यह मैच केवल औपचारिकता नहीं होगा। विश्व कप में पिछले कुछ मौकों पर समय से पहले बाहर होने के बाद भारतीय टीम को टी20 प्रारूप में कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए भारत को बेहतर पावर-हिटर और तेज गेंदबाजों का मजबूत पूल तैयार करना होगा। एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उप-विजेता रहा था। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और प्रतियोगिता की अन्य टीमों को अपनी बल्लेबाजी क्षमता का संकेत दे दिया।
● **दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं**
दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं रही है। बल्लेबाजों को आमतौर पर पिच की गति और उछाल को समझने में करीब 10 गेंद लगती हैं और उसी के अनुसार पारी की योजना बनानी पड़ती है। मंधाना और शेफाली ने भी बृहस्पतिवार रात इसी रणनीति को अपनाया था। मध्यक्रम में प्रतिका रावल, ऋचा घोष और कप्तान हरमनप्रीत कौर की भूमिका अहम होगी।

श्रीलंकाई बल्लेबाज का कैरेबियन प्रीमियर लीग में कहर

बैसेट्टेरे (सेंट किट्स एंड नेविस),एजेसी। श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (CPL) में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड बना दिया है। उनकी इस पारी की बदौलत सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने गुरुवार को सेंट लूसिया किंग्स को 137 रनों के बड़े अंतर से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

पहले बल्लेबाजी करते हुए शनाका ने सिर्फ 43 गेंदों पर नाबाद 121 रन बनाए जिससे पैट्रियट्स का स्कोर 4 विकेट पर 235 रन तक पहुंच गया। इसके बाद जेरेमिया लुइस ने टी20 क्रिकेट में पहली बार 5 विकेट लिए और किंग्स की टीम 13.5 ओवर में 98 रनों पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने सिर्फ 39 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और छक्के सबसे तेज शतक का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। उनकी शानदार पारी में 8 चौके और 12 छक्के शामिल थे। शनाका 10वें ओवर में तब क्रीज पर आए जब पैट्रियट्स का स्कोर 2 विकेट पर 89 रन था, लेकिन उन्होंने जबरदस्त आक्रामक खेल दिखाते हुए पारी का



रुख बदल दिया। उन्होंने रोस्टन चेज के खिलाफ लगातार छक्के लगाकर शुरुआत की और फिर किंग्स के गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। उन्होंने 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और आदि फ्लेचर और जेसन होल्डर के लगातार ओवरों में आउट होने के बाद भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा। शनाका ने महेश शीक्षाना के खिलाफ दो छक्के और एक चौका

जड़ा और फिर शानदार अंदाज में पारी का समापन किया।

कीओन गैस्टन द्वारा फेंके गए आखिरी ओवर में 28 रन बने जिसमें शनाका ने चार छक्के और एक चौका लगाया। इससे पैट्रियट्स को आखिरी पांच ओवरों में 93 रन बनाने में मदद मिली। शनाका ने वनिंदु हसरंगा के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 93 रनों की

साझेदारी की। हसरंगा भी उनके साथ नाबाद रहे और पैट्रियट्स ने मैच का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। फ्लेचर ने 64 रनों की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी, हालांकि उन्हें अपनी पारी के दौरान दो जीवनदान मिले।

मैथ्यू फोर्ड ने लॉना-ऑन पर उनका कैच छोड़ा जब वे 43 रन पर थे और उसी ओवर में उन्हें एक और मौका मिला जिसमें वे बच गए। किंग्स की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी लय नहीं पकड़ पाई। कामिल पूरन पहले ही ओवर में बिना खाता खोले आउट हो गए, जिसके बाद हसरंगा ने दो विकेट लेकर टीम का स्कोर 4 विकेट पर 55 रन कर दिया। इसके बाद लुईस ने लगातार गेंदों पर चेंस और फोर्ड को आउट किया, जिससे किंग्स का स्कोर 6 विकेट पर 74 रन हो गया। टिम सीफर्ट ने 36 गेंदों में अर्धशतक लगाकर साहस दिखाया, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों से कोई खास साथ नहीं मिला। लुईस ने अपने 10वें T20 मैच में ही पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया, उन्होंने आखिरी 6 में से 5 विकेट लिए और किंग्स की टीम को 98 रन पर समेट दिया।

राशिद खान ने पाकिस्तान के सीनियर सेलेक्टर पर कसा तंज, नॉन-प्लेइंग कप्तान बनाने का दिया सुझाव

कराची,एजेसी। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर राशिद खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को तंज कसते हुए सलाह दी है कि सीनियर सेलेक्टर आकिब जावेद को सभी फॉर्मेट के लिए नॉन-प्लेइंग कप्तान बना दिया जाए। राशिद ने यह टिप्पणी एक पांडकास्ट पर तब की जब आकिब ने टीम के कप्तान, कोच और हाल ही में खिलाड़ियों के चयन की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। एक पांडकास्ट में राशिद ने तंज कसते हुए कहा, 'चूंकि आकिब को पाकिस्तान क्रिकेट के बारे में ज्यादा जानकारी है, इसलिए मुझे कोई कारण नहीं दिखाता कि वह नॉन-प्लेइंग कप्तान क्यों नहीं बन सकते।' वह आकिब की हालिया टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने पूछा था कि बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे पर 7 खिलाड़ियों को बदलने का फैसला क्यों किया और इंग्लैंड में टेस्ट मैचों के लिए टीम के चयन पर हेड कोच, बॉलिंग कोच और कप्तान की आलोचना की थी।

आकिब ने टीम मैनेजमेंट पर दोष मढ़कर पाकिस्तान टूरिंग स्क्वाड में किए गए बड़े बदलावों को सही ठहराने की कोशिश की। ऋक्क चैयवरमैन मोहसिन नकवी ने कहा है कि हालात पर निराशा जताई और कहा कि



टूरिंग स्क्वाड के खराब प्रदर्शन और अन्य मुद्दों के कारण ये बदलाव जरूरी थे।राशिद पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं और 1983 वर्ल्ड कप स्क्वाड का हिस्सा थे। राशिद ने कहा, 'वह ऐसा दिखाते हैं जैसे उन्हें सब कुछ पता हो और अब जब वह हेड कोच और कप्तान के काम में भी खुलेआम दखल दे रहे हैं, तो उन्हें टीम का पूरा कंट्रोल ही दे दिया जाए।'

राशिद ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा हालात पर निराशा जताई और कहा कि

आकिब जैसे लोग सिर्फ अपनी नौकरी बचाने में लगे हैं और उन्हें कोई अंदाजा नहीं है कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सही काम कैसे किया जाए। राशिद ने सवाल किया, 'आकिब अब टीम मैनेजमेंट की आलोचना कर रहे हैं और उन्होंने पहले भी टीम के मामलों में दखल दिया है, तो क्यों न उन्हें टेनिस की तरह स्थायी नॉन-प्लेइंग कप्तान बना दिया जाए। कम से कम तब वह खराब प्रदर्शन के लिए किसी और को दोष नहीं दे पाएंगे।'

जच्चा-बच्चा मौत केस में तीसरे दिन भी पिता का आमरण अनशन उपमुख्यमंत्री के सामने फूट-फूटकर रोए पिता; राजेंद्र शुक्ल बोले गंभीरता से जांच जारी, लापरवाही मिली तो किसी को नहीं बख्शेंगे



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। जच्चा-बच्चा मौत मामले में न्याय की मांग को लेकर कल्पना मिश्रा के पिता रामशिरोमणि मिश्रा का आमरण अनशन शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। इसी बीच प्रदेश के

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल धरना स्थल पहुंचे और उन्होंने रामशिरोमणि मिश्रा से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने पीड़ित पिता की बात सुनी और उन्हें भरोसा दिलाया कि मामले की जांच

गंभीरता से की जा रही है। बेटी कल्पना और नवजात की मौत का दर्द बयां करते हुए रामशिरोमणि मिश्रा उपमुख्यमंत्री के सामने भावुक हो गए। वह फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने अस्पताल में इलाज के दौरान हुई घटनाओं की जानकारी देते हुए मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और निष्पक्ष जांच की मांग रखी। उन्होंने कहा कि बेटी और नवजात को खोने के बाद परिवार पहले से ही गहरे सदमे में है, ऐसे में उन्हें न्याय की आवश्यकता है।

2023 के आदेश पर भी उठाए सवाल – रामशिरोमणि मिश्रा ने सोनल अग्रवाल को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि वर्ष 2023 में ही सोनल अग्रवाल को पद से पृथक करने का आदेश जारी हो चुका था, तो उस

आदेश पर अमल क्यों नहीं किया गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उस समय आदेश के अनुसार कार्रवाई कर दी जाती, तो शायद आज जैसी स्थिति निर्मित नहीं होती। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की। **मजिस्ट्रियल कमेटी गठित**– उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए पहले से ही जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच में और तत्परता लाने के लिए मजिस्ट्रियल कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि कमेटी पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उस पिता के साथ खड़ी है,

जिसने अपनी बेटी को खोया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की पीड़ा को समझा जा सकता है और सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। यदि जांच में कहीं भी लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। **लापरवाही मिली तो किसी को नहीं बख्शेंगे**– उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जांच में दोष या लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई में किसी तरह का भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों की भी हो, यदि जांच में लापरवाही प्रमाणित होती है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह विषय राजनीति करने का नहीं है। पीड़ित परिवार पहले से ही अपनी

बेटी को खोने के कारण परेशान और दुखी है। ऐसे में उसकी पीड़ा को राजनीतिक रूप देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्राथमिकता पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता सामने लाना है।

पिता की मांग- दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई– इधर, रामशिरोमणि मिश्रा का आमरण अनशन तीसरे दिन भी जारी रहा। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी बेटी और नवजात की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से एफआईआर दर्ज करने, निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई।

बाढ़ की भयावह स्थिति के बीच चित्रकूट प्राधिकरण अध्यक्ष विजय यादव की गैरमौजूदगी पर उठे सवाल



मीडिया ऑडिटर, चित्रकूट (निप्र)। लगातार बारिश और मंदाकिनी नदी के बढ़े जलस्तर से चित्रकूट में बाढ़ के हालात बनने के दौरान सैकड़ों घर प्रभावित हुए। कई परिवारों को मुश्किल स्थानों का सहारा लेना पड़ा। इस बीच चित्रकूट प्राधिकरण के अध्यक्ष विजय यादव की बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कथित गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी आपदा के दौरान प्राधिकरण के अध्यक्ष की मौजूदगी

प्रभावित परिवारों का मनोबल बढ़ा सकती थी। लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि जब सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर राहत कार्य किए जा रहे थे, तब प्राधिकरण अध्यक्ष की ओर से मौके पर सक्रियता क्यों दिखाई नहीं दी। बाढ़ प्रभावितों का कहना है कि संकट की घड़ी में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से संवेदनशीलता और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने की अपेक्षा रहती है। ऐसे में अध्यक्ष की भूमिका और उनकी अनुपस्थिति को लेकर प्रशासनिक एवं राजनीतिक हलकों में भी चर्चा शुरू हो गई है। वहीं, कुछ स्थानीय लोगों ने अध्यक्ष के बाहरी होने को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि स्थानीय समस्याओं से सीधा जुड़ाव रखने वाला व्यक्ति आपदा के समय अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। हालांकि, अध्यक्ष विजय यादव की गैरमौजूदगी के कारणों और इस संबंध में उनका पक्ष सामने नहीं आया है।

अतिवृष्टि आपदा में गरीबों के सहारा बने निरंजन जायसवाल राशन से लेकर राहत शिविरों तक संभाली कमान, प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। लगातार हो रही अतिवृष्टि के चलते चित्रकूट क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कई ग्रामीण इलाकों में जनजीवन प्रभावित होने के साथ ही गरीब

और जरूरतमंद परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे कठिन समय में जनसेवा की पहल करते हुए निरंजन जायसवाल प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर राहत

कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भोपाल से लौटने के बाद निरंजन जायसवाल लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने राहत कार्यों की कमान स्वयं संभालते हुए प्रभावित परिवारों के लिए भोजन और राशन किट की व्यवस्था कराने के साथ ही जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की पहल की है। राहत शिविरों में पहुंचकर वे स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। शिविरों में पीने के पानी, दवाइयों तथा बच्चों और महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्थाएं कराई जा रही हैं। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों से कहा है कि आपदा की इस घड़ी में कोई भी जरूरतमंद परिवार सहायता से वंचित न रहे और सभी प्रभावितों तक समय पर राहत पहुंचाई जाए। अतिवृष्टि के कारण प्रभावित आदिवासी बस्तियों में निरंजन जायसवाल की मौजूदगी स्थानीय लोगों के लिए संबल बनी हुई है। वे ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और मौके पर ही आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास कर रहे हैं।

प्रशासनिक टीम के साथ समन्वय बनाकर राहत कार्यों को गति देने का भी प्रयास किया जा रहा है।

चित्रकूट में बाढ़ पीड़ितों के बीच जन्माष्टमी की सेवा भावना विवेक तंखा की टीम ने रामधाम मोहल्ले में वितरित किया फलाहार, प्रभावित परिवारों से जाना हाल

मीडिया ऑडिटर, चित्रकूट (निप्र)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर चित्रकूट में बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों के बीच सेवा और सहयोग का सिलसिला जारी रहा। राज्यसभा सांसद विवेक तंखा के मार्गदर्शन में उनकी टीम ने बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री का वितरण किया। किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी ने वार्ड क्रमांक-10 स्थित रामधाम मोहल्ले में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। जन्माष्टमी का



व्रत रखने वाले परिवारों को दूध, शक्कर, साबूदाना, केला और सेव सहित आवश्यक फलाहार सामग्री वितरित की गई। राहत सामग्री मिलने पर प्रभावित परिवारों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विवेक तंखा एवं उनकी टीम के प्रति

आभार जताया। इस अवसर पर आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण क्षेत्र के कई परिवारों के सामने भोजन, आवास और दैनिक जरूरतों का संकट खड़ा हुआ है। ऐसे समय में जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर

उनकी मदद करना सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के मानवता, सेवा और करुणा के संदेश को आत्मसात करने का अवसर भी है। द्विवेदी ने बताया कि विवेक तंखा के मार्गदर्शन में चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार राहत कार्य किए जा रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राहत कार्य पर्व तक सीमित नहीं रहेंगे और आवश्यकता के अनुसार आगे

सतना के स्कूल में लड्डू गोपाल का अनोखा एडमिशन.....

स्कूल रिकॉर्ड में नाम श्याम पांडेय, 8 साल की आयुषी के लिए भगवान नहीं छोटे भाई हैं लल्ला



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। शहर के धवारी स्थित तक्षशिला मिडिल स्कूल में इस बार हुआ एक अनोखा एडमिशन चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां एक बच्चे के रूप में लड्डू गोपाल का बाकायदा प्रवेश कराया गया है। स्कूल के रिकॉर्ड में उनका नाम श्याम पांडेय दर्ज किया गया है। जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल में उनका विशेष पूजन-अर्चन भी किया गया। यह पूरा प्रसंग आठ साल की आयुषी और लड्डू गोपाल

के बीच बने उस मासूम रिश्ते को सामने लाता है, जिसमें आयुषी उन्हें भगवान से बढ़कर अपना छोटा भाई और प्यार से 'लल्ला' मानती है। धवारी गली नंबर-1 निवासी नरेंद्र कुमार पांडेय और रेखा पांडेय भगवान श्रीकृष्ण के भक्त हैं। उनकी बेटी आयुषी तक्षशिला मिडिल स्कूल में कक्षा दूसरी की छात्रा है। परिवार के अनुसार, आयुषी के लिए लड्डू गोपाल केवल पूजा की मूर्ति नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य हैं। वह

उन्हें अपने साथ खिलाती है, सुलाती है और छोटे भाई की तरह उनकी देखभाल करती है। आयुषी कुछ समय के लिए भी लड्डू गोपाल को अकेला छोड़ना नहीं चाहती। परिवार कहीं बाहर जाता है तो वह उन्हें भी साथ लेकर जाती है। उसकी दिनचर्या में लड्डू गोपाल का विशेष स्थान है और वह हर काम में उन्हें अपने साथ रखने की कोशिश करती है। परिवार के मुताबिक, आयुषी के भाई अभिषेक पांडेय पढ़ाई के लिए वृंदावन के संस्कृत विद्यालय चले गए थे। भाई के दूर जाने के बाद आयुषी उदास रहने लगी। तब उसकी मां ने उसे समझाया कि वह लड्डू गोपाल के साथ रहे, वे उसे अकेला महसूस नहीं होने देंगे। इसके बाद आयुषी का लड्डू गोपाल के प्रति लगाव और गहरा होता गया। परिवार वर्ष 2025 में लड्डू गोपाल को वृंदावन से लेकर आया था। उनके लिए कपड़े भी वृंदावन से ही मंगाए जाते हैं। पांडेय परिवार सात्विक जीवनशैली का पालन करता है और धार्मिक आस्था के साथ लड्डू गोपाल की नियमित सेवा करता है। स्कूल संचालक

सूर्य प्रकाश सिंह के अनुसार, जब पांडेय परिवार ने लड्डू गोपाल के एडमिशन की बात रखी तो स्कूल प्रबंधन के लिए यह बिल्कुल नया अनुभव था। परिवार भी करीब छह महीने तक इस निर्णय को लेकर असमंजस में रहा। बाद में वे लड्डू गोपाल को स्कूल लेकर पहुंचे और प्रवेश देने का आग्रह किया। परिवार की आस्था और आयुषी के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने इस अनोखे आग्रह को स्वीकार कर लिया। इसके बाद स्कूल के रिकॉर्ड में उनका नाम 'श्याम पांडेय' दर्ज किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल परिसर में श्याम पांडेय यानी लड्डू गोपाल का विशेष पूजन-अर्चन किया गया।

स्कूल स्टाफ और अभिभावकों की मौजूदगी में वैदिक रीति-रिवाज से पूजा संपन्न हुई। इस अनोखे एडमिशन ने स्कूल में भी उत्सुकता का माहौल बना दिया है। आज लड्डू गोपाल परिवार के साथ-साथ आयुषी की भावनाओं में भी विशेष स्थान रखते हैं और उसके लिए वे उसके प्यारे लल्ला हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी प्रभावित ग्रामीणों से की मुलाकात, तत्काल राहत और उचित मुआवजे की उठाई मांग



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। क्षेत्र में बाढ़ के कारण उत्पन्न हुए हालात के बीच कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौजूदा परिस्थितियों की जानकारी ली। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने बाढ़ के कारण उत्पन्न परेशानियों से उन्हें अवगत कराया। प्रभावित परिवारों के सामने भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य आवश्यकताओं को लेकर समस्याएं सामने आ रही हैं। पयासी ने ग्रामीणों को भरोसा

दिलाया कि संकट की इस घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक तत्काल राहत सामग्री, भोजन, स्वच्छ पेयजल और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जाएं। साथ ही राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाते हुए प्रभावित लोगों को नियमानुसार उचित सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराया

जाए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रभावित परिवारों की तत्काल मदद सुनिश्चित करनी चाहिए। दौरे के दौरान कोटर ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मी त्रिपाठी सहित गोकुल सिंह, लालमन सिंह, रामकलेश सिंह, अनूप सिंह, अवधेश तिवारी समेत कोटर ब्लॉक का संपूर्ण प्रतिनिधिमंडल मौजूद रहा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की

आकर्षण का केंद्र नहीं, रक्तदान जागरूकता की झांकी बनी संदेश का माध्यम

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में सिन्धु विकास समिति की ओर से रक्तदान जागरूकता पर आधारित विशेष झांकी शामिल की गई। झांकी के माध्यम से लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस सामाजिक एवं मानव सेवा के कार्य के लिए प्रेरित किया गया। सिन्धु विकास समिति के संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि झांकी का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है और समय पर उपलब्ध रक्त कई लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। झांकी के माध्यम से रक्तदान, जीवनदान का संदेश दिया गया। शोभायात्रा में झांकी के साथ शामिल समाजसेवियों ने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आने की अपील की। समिति के सदस्यों ने कहा कि रक्तदान को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ने से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है।

एकबार फिर हुई विंध्य बुंदेलखंड की उपेक्षा,गरजे नारायण कहा जेनजी का जमाना छद्म बर्दाश्त नहीं :- नारायण त्रिपाठी

मीडिया ऑडिटर, मेहर (निप्र)। के पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी ने कहा कि जबसे विंध्यप्रदेश का विलय मध्यप्रदेश में हुआ लगातार विंध्य और बुंदेलखंड को छनने का काम किया गया। यहां के युवाओं की यहां के संस्कृति की घोर उपेक्षा की गई। रीवा हमारे विंध्य प्रदेश की राजधानी हुआ करती थी जिसके अस्तित्व को ताम्रार राजनैतिक षडयंत्रों के तहत खत्म करने का काम किया गया। लेकिन अब यह षडयंत्र नहीं चलेगे, हमारे क्षेत्र का युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहा है क्षेत्र का युवा पलायन को मजबूर है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए हमें अन्य जिलों या प्रदेश पर निर्भर होना पड़ रहा है। लेकिन इस बात का ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि आज का जमाना जेनजी का है युवाओं का दौरे है और यह युवा अपने हक अपना अधिकार लेना जानता है, न मिलने पर छीन के लेने की कृतत रखता है। विगत दिनों मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव सरकार की कैबिनेट ने दो महत्वपूर्ण फैसले लिए है। एक राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन भागों में बांटने का कार्य किया गया। जिसमें एक मालवा दूसरा मध्य भारत और तीसरा महकौशल का नाम दिया गया है।